लखनऊ

बुधवार, 6 मई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 252

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"ध्यान भटकने दो नहीं, और खुद को हारने दो नहीं सफलता सिर्फ फोकस्ड लोगों के कदम चूमती है।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

महिला आरक्षण पर 'आर-पार' के मूड में कांग्रेस, अलका लांबा ने छेड़ा 'हक' का राष्ट्रव्यापी अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने 5 मई को शिमला से एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया, जिसमें उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के पारित होने के बावजूद महिला आरक्षण कानून को लागू करने में विफल रहने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की। शिमला में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, लांबा ने केंद्र सरकार पर जानबूझकर कानून लागू करने में देरी करके देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। अलका लांबा ने कहा कि महिला आरक्षण कानून पारित हो चुका है, इसे राष्ट्रपति की मंजूरी मिल चुकी है और अधिसूचना भी जारी हो चुकी है। फिर भी भाजपा सरकार इसे लागू नहीं कर रही है। प्रधानमंत्री देश को क्यों गुमराह कर रहे हैं? लांबा ने आरोप लगाया कि भाजपा ऐतिहासिक रूप से महिला आरक्षण का विरोध करती रही है और उन्होंने इस कानून को पारित कराने में कांग्रेस की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा की मंशा होती, तो महिलाओं को 2014 में ही उनके अधिकार मिल जाते। विपक्ष के दबाव में ही सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम लेकर आई। हमने इसे पारित करवाना सुनिश्चित किया। उन्होंने परिसीमन या जनगणना प्रक्रियाओं से जोड़े बिना कानून को तत्काल लागू करने की मांग की और जोर देते हुए कहा कि लोकसभा में 543 सीटें हैं। अगर यह कानून आज लागू होता है, तो लगभग 180 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होनी चाहिए। भाजपा महिलाओं को उनका उचित प्रतिनिधित्व क्यों नहीं दे रही है? लांबा ने आरक्षण ढांचे में ओबीसी महिलाओं को शामिल किए जाने पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हमारी मांग स्पष्ट है: कानून को तुरंत लागू करें और ओबीसी महिलाओं के लिए भी आरक्षण सुनिश्चित करें। भाजपा न तो कानून लागू करने को तैयार है और न ही पिछड़े वर्ग की महिलाओं को शामिल करने को।

साइबर क्राइम का शिकार हुए ये प्रसिद्ध टीवी अभिनेता, खाते से उड़ाई इतनी रकम

मुंबई। मुंबई में साइबर अपराध के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसी कड़ी में अब प्रसिद्ध टीवी अभिनेता राहुल सिंह तोमर भी इस ठगी का शिकार हो गए हैं। ठगों ने बड़ी चालाकी से अभिनेता को निशाना बनाया और उनके बैंक अकाउंट से 85 हजार रुपए निकाल लिए। हालांकि, समय रहते अकाउंट को ब्लॉक कर देने से एक बड़ी रकम बचा ली गई। इस मामले में मुंबई के अंबोली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया गया है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, 32 वर्षीय राहुल सिंह तोमर मूल रूप से मध्य प्रदेश के पीथमपुर के रहने वाले हैं और वर्तमान में मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित अंबोली इलाके में रह रहे हैं। वे लंबे समय से टीवी इंडस्ट्री में सक्रिय हैं और कई लोकप्रिय सीरियल्स और वेब सीरीज में काम कर चुके हैं। घटना उस समय हुई, जब उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने उनसे उनके नाम, पते और पेशे से जुड़ी जानकारी ली।

हार के बाद भी ममता बनर्जी का इस्तीफा देने से इनकार

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि वो चुनाव नहीं हारी हैं इसलिए इस्तीफ़ा नहीं देंगी। उन्होंने मंगलवार को चुनाव हारने के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीजेपी पर बेईमानी से चुनाव जीतने का आरोप लगाया। वहीं बीजेपी ने कहा है कि संवैधानिक प्रक्रिया में विश्वास करने वाला कोई भी व्यक्ति ऐसी बात नहीं कर सकता है। ममता बनर्जी ने इस्तीफ़े के बारे में कहा, "मैं क्यों जाऊंगी। हम तो हारे नहीं हैं कि जाएंगे। हार का सुबूत देते तो इस्तीफ़ा देते। ज़ोर-ज़बरदस्ती करके कोई बोले कि इस्तीफ़ा देना होगा तो नहीं। अभी इस्तीफ़ा नहीं दूंगी। मैं ये कहना चाहती हूं कि हम चुनाव नहीं हारे हैं।" उन्होंने पश्चिम बंगाल में अपनी पार्टी की हार के लिए चुनाव आयोग को ज़िम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग मुख्य विलेन है। ममता बनर्जी ने कहा, "पार्टी सदस्यों के साथ आगे की स्ट्रैटजी पर चर्चा की जाएगी। मैं अब बीजेपी के अत्याचारों को और बर्दाश्त नहीं करूंगी। मैं सड़कों पर लौटूंगी।" उन्होंने कहा कि नतीजे आने के बाद उन्हें इंडिया ब्लॉक के कई बड़े नेताओं से समर्थन के फोन आए। उनके अनुसार, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव और हेमंत सोरेन जैसे नेताओं ने उनसे बात कर समर्थन का भरोसा दिया। ममता बनर्जी ने कहा, "आने वाले दिनों में इंडिया ब्लॉक और मजबूत होगा। अखिलेश मिलने आना चाहते थे, मैंने उन्हें बुधवार को आने को कहा है। सभी नेता एक-एक करके मिलेंगे और हम विपक्षी गठबंधन को मजबूत करेंगे।" उन्होंने यह भी कहा कि इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की असली लड़ाई भाजपा से नहीं बल्कि चुनाव आयोग से थी।

अब विधानसभा कैसे जाएंगी आप : संबित पात्रा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद राज्य की सियासत में जबरदस्त उबाल आ गया है। अपनी हार के बावजूद निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के तेवर नरम नहीं पड़ रहे हैं। ममता बनर्जी ने कहा है कि वह इस्तीफा नहीं देंगी। उनके इस बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने हमला बोला है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने ममता बनर्जी की मंशा और उनके संविधानिक दर्जे पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ममता बनर्जी के बयान पर कटाक्ष करते हुए भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि ममता जी कह रही हैं कि वह विधानसभा भी नहीं जाएंगी। पात्रा ने पूछा, 'वह अब वहां कैसे जाएंगी? वह भवानीपुर सीट से चुनाव हार चुकी हैं। अब वह विधायक नहीं हैं। पात्रा ने कहा कि लोकतांत्रिक रूप से हारने के बाद विधानसभा जाने का अधिकार स्वाभाविक रूप से खत्म हो जाता है।

संविधान में सब लिखा है : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजनीति में चुनाव नतीजों के बाद भी घमासान थमता नजर नहीं आ रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी हार को स्वीकार करने से इनकार करते हुए पद से इस्तीफा न देने का मन बनाया है। उनके इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा को जन्म दे दिया है। ममता बनर्जी ने दो टूक शब्दों में कहा है कि वे न तो हारी हैं और न ही इस्तीफा देंगी। ममता बनर्जी के इस अड़यिल रुख पर भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक शुभेंदु अधिकारी ने पलटवार किया है। शुभेंदु ने इस पूरे विवाद पर बहुत नपी-तुली और संविधानिक टिप्पणी की है। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'सब कुछ संविधान में लिखा है। मुझे इस बारे में ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं है।' शुभेंदु अधिकारी का यह इशारा साफ है कि लोकतंत्र में हार-जीत और पद पर बने रहने की प्रक्रिया संविधान के नियमों से चलती है। बंगाल की हाई-प्रोफाइल चुनावी जंग के बाद अब सारा मामला कानूनी और संविधानिक मर्यादाओं के इर्द-गिर्द सिमटता दिख रहा है।

केरलम में जीत तो ईसी स्वतंत्र, नतीजे पक्ष में ना हो तो प्रक्रिया पर सवाल आरोपों पर धर्मेंद्र प्रधान ने राहुल गांधी को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने चुनाव परिणाम को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रतिक्रिया पर निशाना साधा है। प्रधान ने कहा कि राहुल को चुनिंदा मसलों पर गुस्सा दिखाने का कोई तर्क नहीं है। लगातार हार के बाद आत्ममंथन की जगह चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाना शुरू कर दिया। केरल चुनाव को विश्वसनीय जबकि कहीं और चुनाव को चुराया हुआ बताते हैं, यह कांग्रेस की सोच में विरोधाभास दिखाता है। इससे पहले राहुल ने कल आरोप लगाया था कि पश्चिम बंगाल और असम में बीजेपी ने चुनाव आयोग की मदद से चुनाव की चोरी की है।

बीजेपी नेता धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस नेता पर वार करते हुए कहा, "राहुल गांधी को चुनिंदा मुद्दों पर गुस्सा दिखाना का कोई मतलब नहीं है। बार-बार चुनावी शिकस्त के बाद भी आत्ममंथन करने की जगह, कांग्रेस ने जब भी चुनावी नतीजे उसके पक्ष में नहीं आए, तो उसने बार-बार चुनावी प्रक्रिया पर ही सवाल उठाना शुरू कर दिया।"

उन्होंने केरलम के चुनाव परिणाम पर कहा, "जब आपकी पार्टी केरलम में जीतती है, तो वही चुनाव आयोग "विश्वसनीय" और "स्वतंत्र" बन जाता है। जब कहीं और परिणाम जाते हैं, तो वह "समझौता किया हुआ" और "चुराया हुआ" बन जाता है। अपनी सुविधा के हिसाब से लोकतंत्र को लेकर यह रवैया कांग्रेस की सोच में एक साफ विरोधाभास दिखाता है।"

चुनावी नतीजों को शक से देखना सही नहीं : प्रधान

कांग्रेस पर वार करते हुए प्रधान ने कहा, "कोई भी सोच सकता है कि क्या कांग्रेस को लगता है कि लोकतंत्र में एक ऐसी सेटिंग है जो कहती है कि 'यह तभी मान्य है जब हम जीतेंगे'।" उन्होंने कहा, "चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है जिसने दशकों से अलग-अलग राज्यों में चुनाव करवाए हैं, और अलग-अलग समय पर नतीजे अलग-अलग पार्टियों के पक्ष में भी आए हैं- चाहे वह BJP हो, कांग्रेस हो, या अन्य क्षेत्रीय पार्टियां हों। संस्था की ईमानदारी को इस आधार पर चालू या बंद नहीं किया जा सकता कि किस दल ने जीत हासिल की है।" "पश्चिम बंगाल से लेकर असम और उससे आगे तक, चुनावी नतीजों को स्वीकार करने की जगह उन पर शक की नजर से देखना, मतदाताओं की जटिल पसंद को राजनीतिक आरोपों में बदल देता है। जब नतीजे बंटे हुए या अप्रत्याशित होते हैं, तो यह वोटर्स की पसंद को भी दिखाता है, न कि "चुराए हुए मतों" को।"

बंगाल में संस्कृति और पहचान की जीत, भाजपा की सफलता को किरेन रिजिजू ने बताया निर्णायक

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की निर्णायक जीत को भारत के अस्तित्व की लड़ाई और देश के लोकतंत्र और सांस्कृतिक पहचान के लिए एक निर्णायक क्षण बताया। एएनआई को संबोधित करते हुए रिजिजू ने कहा कि बंगाल में मिली जीत कोई साधारण राजनीतिक जीत नहीं है। यह भारत की संस्कृति, भारत की विरासत, भारत की पहचान और एक तरह से भारत के अस्तित्व की लड़ाई थी। यह सिर्फ भाजपा की जीत नहीं है... यह पूरे देश की जीत है। लोकतंत्र और मजबूत हुआ है।

उन्होंने आगे कहा कि चुनाव परिणाम पश्चिम बंगाल में स्थिरता की ओर एक कदम और राज्य में राजनीतिक हिंसा के अंत का संकेत देते हैं। पिछली घटनाओं का जिक्र करते हुए रिजिजू ने कहा कि हर चुनाव में होने वाली राजनीतिक हिंसा... लोगों को जिंदा जलाया जाना – भाजपा सरकार आने के बाद यह सब बंद हो जाएगा। जहां भी भाजपा आती है, राजनीतिक हिंसा रुक जाती है। सुशासन इसमें एक बड़ा कारक है। रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि जब तक प्रधानमंत्री मोदी हैं, लोगों को अपने भविष्य के प्रति भरोसा है... उनके जैसा नेता इस देश में कभी पैदा नहीं हुआ। यही कारण है कि उनके नाम पर एक के बाद एक राजनीतिक सफलताएँ हासिल हो रही हैं।

पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 200 से अधिक सीटें जीतकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और वामपंथी दलों के दशकों पुराने शासन का अंत कर दिया। इस परिणाम से टीएमसी को करारा झटका लगा, जिसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत कई वरिष्ठ मंत्री अपनी सीटें हार गए। लद्दाख में सांस्कृतिक और विकासात्मक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए रिजिजू ने कहा कि भगवान बुद्ध के अवशेष लेह में रखे गए हैं... हजारों लद्दाखी दर्शन कर रहे हैं। यह एक सौभाग्यशाली क्षण है, और उन्होंने कुशोक बकुला रिनपोचे स्मृति व्याख्यान देने का उल्लेख किया। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा और नए जिलों के गठन से लद्दाख को एक विशिष्ट पहचान मिली है।

उत्तर प्रदेश में आंधी–तूफान और बिजली गिरने से 18 लोगों की मौत, सीएम योगी ने जारी किए निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बीते कुछ दिनों से कई हिस्सों में अति वर्षा, तेज आंधी और आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5 लोग घायल बताए जा रहे हैं। इसके साथ ही 24 पशुओं की भी जान चली गई है, जिससे ग्रामीण इलाकों में लोगों को और ज्यादा नुकसान झेलना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। सीएम योगी ने कहा कि सरकार इस कठिन समय में हर प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है। सीएम ने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि घायलों का तुरंत और उचित इलाज कराया जाए ताकि किसी भी तरह की लापरवाही न हो। सीएम योगी ने राहत कार्यों को तेज करने के लिए सख्त आदेश जारी किए हैं। उन्होंने कहा है कि सभी जिलाधिकारी (डीएम) खुद फील्ड में मौजूद रहें और राहत कार्यों की निगरानी करें। साथ ही जरूरत पड़ने पर तुरंत शासन से समन्वय बनाकर मदद पहुंचाई जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया है कि अति वर्षा, आंधी और बिजली गिरने से हुई जनहानि, पशुहानि और घायलों को 24 घंटे के अंदर मुआवजा दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पूरे मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन को पूरी गंभीरता और तेजी के साथ काम करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

'सैलरी के अलावा एक पैसा मत लेना'

विजय की विधायकों को सख्त हिदायत

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अभिनेता थलापति विजय की पार्टी टीवीके ने शानदार प्रदर्शन किया। इस चुनाव में टीवीके ने दशकों से राज्य की सत्ता पर काबिज द्रमुक और अन्नाद्रमुक को कड़ा झटका दिया है। चुनाव नतीजों के बाद अब राज्य में टीवीके की सरकार बनाने की कवायद शुरू हो गई है। पार्टी ने अपने सभी नवनिर्वाचित विधायकों को चेंगलपट्टू जिले के मामल्लापुरम में स्थित एक रिसॉर्ट में शिफ्ट किया है। मामल्लापुरम के रिसॉर्ट के बाहर पुलिस और सुरक्षाबलों का कड़ा पहरा है। इसी बीच पार्टी प्रमुख थलापति विजय ने अपने सभी नवनिर्वाचित विधायकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में सरकार गठन को लेकर चर्चा की गई। बैठक खत्म होने के बाद पार्टी के कई विधायकों ने मीडिया से बात की। विधायक हरीश ने बताया कि बैठक में पार्टी प्रमुख ने सभी को एक कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा, 'हमारे नेता (विजय) ने हमें विधायक के वेतन के अलावा कोई और पैसा नहीं लेने और सिर्फ लोगों के लिए काम करने के लिए कहा है।' यह बयान पार्टी की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति को दर्शाता है। वहीं, तिरुवन्नामलाई के पोलुर से विधायक अभिषेक आर ने कहा, 'हमने इस पर चर्चा की कि लोगों के लिए क्या करने की जरूरत है।' वहीं, एक अन्य विधायक मैरी विल्सन ने इस जीत को युवाओं से जोड़ते हुए कहा, 'यह जेन Z (युवा पीढ़ी) का फैसला है।'

तमिलनाडु में टीवीके की प्रचंड जीत

गौरतलब है कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 में अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके ने शानदार प्रदर्शन करते बड़ी जीत दर्ज की है। पार्टी ने पहली बार चुनाव लड़ते हुए दशकों से चली आ रही द्रमुक और अन्नाद्रमुक की राजनीति को बड़ा झटका दिया है। अब राज्य में टीवीके की सरकार बनने जा रही है। विजय ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट किया, 'आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। हमारी जनता का कल्याण ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है। राजनीति से ऊपर उठकर, हम राज्य की प्रगति और तमिलनाडु की जनता के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

'जनहित याचिकाएं अब पैसा–राजनीतिक हित याचिका बन गईं', पीआईएल के दुरुपयोग पर अदालत की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिकाओं के लगातार हो रहे दुरुपयोग पर बहुत ही सख्त और बड़ी टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि आज के समय में जनहित याचिका का मकसद पूरी तरह से बदल गया है। अब यह 'प्राइवेट इंटरेस्ट लिटिगेशन' (निजी हित), 'पब्लिसिटी इंटरेस्ट लिटिगेशन' (प्रसिद्धि), 'पैसा इंटरेस्ट लिटिगेशन' (पैसे के लिए) और 'पॉलिटिकल इंटरेस्ट लिटिगेशन' (राजनीतिक हित) बनकर रह गई है। सुप्रीम कोर्ट के नौ जजों की संविधान पीठ धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव और विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इसी दौरान अदालत ने जनहित याचिकाओं के गिरते स्तर पर यह गहरी चिंता जताई है। इस अहम पीठ में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस बीवी नागरत्ना, एमएम सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्या बागची शामिल हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर रोक को चुनौती देने वाली 2006 की जनहित याचिका के पीछे के असली मकसद पर कड़े सवाल उठाए हैं। इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन की तरफ से 2006 में एक याचिका दायर की गई थी, जिसमें केरल के सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 साल की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक को हटाने की मांग की गई थी। इस मामले में एसोसिएशन के वकील रवि प्रकाश गुप्ता ने अदालत को बताया कि यह जनहित याचिका जून 2006 में छपे चार अखबारों के लेखों के आधार पर दायर की गई थी। इस पर मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने सख्त लहजे में कहा कि इस याचिका को तो तुरंत खारिज कर दिया जाना चाहिए था। पीठ ने कहा कि सिर्फ अखबार का एक लेख किसी को जनहित याचिका दायर करने का अधिकार कैसे दे सकता है। याचिका दायर करने के लिए अपने हिसाब से लेख लिखवाना तो बहुत ही आसान काम है। सुनवाई के दौरान पीठ की अहम सदस्य जस्टिस बीवी नागरत्ना ने याचिकाओं के दुरुपयोग को लेकर काफी नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि हम हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में आम जनता की भलाई के लिए जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हैं, न कि अखबारों में छपे लेखों के आधार पर।

ममता की हार पर कांग्रेस में 'जश्न' से राहुल नाराज, बोले- यह किसी दल की नहीं, देश की बात है

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के नतीजों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि टीएमसी की हार पर कुछ कांग्रेसी खुश हो रहे हैं। छोटी-मोटी राजनीति को एक तरफ रख दें। ये किसी एक पार्टी या दूसरी पार्टी की बात नहीं है। यह देश की बात है। बीजेपी लोकतंत्र को तबाह करना चाहती है। राहुल ने आगे कहा कि असम और बंगाल में बीजेपी ने चुनाव आयोग की मदद से वोट चुराया है।

राहुल ने कहा कि हम ममता बनर्जी से सहमत हैं। बंगाल में 100 से ज्यादा सीटें चुराई गईं। हमने यह तरीका पहले भी देखा है। इस दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और लोकसभा 2024 का जिक्र किया। चुनाव चोरी, संस्था चोरी- अब और चारा ही क्या है।

बीजेपी ने जनतंत्र की हत्या कर दी- केजरीवाल

बंगाल के नतीजों पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देश के अंदर संकट छाया हुआ है। बीजेपी ने जनतंत्र की हत्या कर दी है। कहीं पूरे देश में पार्टी जीतकर आ जाए। विधायक तोड़ लेते हैं। जेल भेज देते हैं। केजरीवाल ने कहा कि बंगाल में पिछले चार महीने से हम देख रहे हैं क्या तांडव चल रहा है। बिहार, महाराष्ट्र में यही किया। मेरी विधानसभा में भी यही किया। 148000 वोट थे जेल से आया तो 42000 वोट कटवा दिए। पूरे देश में यही तांडव चल रहा है। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब चुनाव के बाद मोदी सरकार गिरेगी। मोदी सरकार का अंत पंजाब के लोग करेंगे। पंजाब के बाद मोदी जी का आखिरी चुनाव होगा।

बंगाल में जनमत की खुली लूट हुई- अखिलेश

वहीं, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सब जानते हैं क्या हुआ है और सच क्या है और जनमत की खुली लूट कैसे हुई है। अब क्या सत्ताधारी राजनीति को पाताल से भी नीचे ले जाएंगे। देश के राजनीतिक इतिहास का ये एक घनघोर 'काला दिन' है। पूरा देश आक्रोशित है और लोकतंत्र व्यथित है। चुनावी व्यवस्था के नाम पर केंद्रीय बलों का जो दुरुपयोग मतगणना में आज बंगाल में हुआ है, ठीक वैसा ही घपला 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में अधिकांश जगह किया गया था, जिसकी साक्षात गवाह कन्नौज की विधानसभाएं थीं।

बंगाल में बीजेपी का ऐतिहासिक प्रदर्शन

पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। बीजेपी ने 207 सीटों पर परचम लहराया है। पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी को 77 सीटें मिली थीं जबकि टीएमसी ने 215 सीटों पर जीत हासिल की थी।

नूंह में हादसा: यूपी पुलिस के चार सिपाही और वादी की मौत, अपहरण केस में दबिश देने गई थी टीम, सीएम ने जताया शोक

आर्यावर्त संवाददाता

जालौन। अपहरण के एक मामले में कार्रवाई करने हरियाणा गई कोतवाली उरई पुलिस टीम मंगलवार सुबह भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। नूंह जनपद के तावडू सदर थाना क्षेत्र में हुए इस हादसे में चार पुलिसकर्मियों समेत एक वादी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई।

मिली जानकारी के अनुसार, कोतवाली उरई में दर्ज एक अपहरण मामले में अपहृत व्यक्ति की बरामदगी के लिए पुलिस टीम हरियाणा रवाना हुई थी। टीम आरोपियों की तलाश में तावडू क्षेत्र पहुंची थी, तभी मंगलवार सुबह करीब 10 बजे उनकी गाड़ी हादसे का

शिकार हो गई।

ओवरटेक करने के चक्कर में हुआ हादसा

बताया जा रहा है कि ओवरटेक के दौरान वाहन अनियंत्रित हो गया और सामने से आ रहे वाहन से टकरा गया, जिससे यह दर्दनाक दुर्घटना हुई। हादसे में उपनिरीक्षक सत्यभान सिंह, उपनिरीक्षक मोहित कुमार यादव, आरक्षी प्रदीप कुमार (सर्विलांस सेल) और आरक्षी अशोक कुमार (कोतवाली उरई) की मौके पर ही मौत हो गई।

क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला

इसके अलावा मुकदमे के वादी अमरीक सिंह निवासी संगरूर (पंजाब) ने भी दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया गया। क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया।

शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। क्षतिग्रस्तवाहन को सड़क से हटवाकर खड़ा कराया गया है। इस हृदयविदारक घटना के बाद उरई समेत पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

प्रदेश में शोक की लहर

एक साथ पांच लोगों की मौत से पुलिस विभाग में गहरा दुख है। जालौन समेत कन्नौज, कासगंज, रायबरेली और बांदा में मृतकों के घरों पर मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सीएम योगी ने जताया शोक

इस दर्दनाक हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने मृत पुलिसकर्मियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि हरियाणा सरकार से समन्वय स्थापित कर मृतकों के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द उनके परिजनों तक पहुंचाया जाए और सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएं।

> एक मामले में कोतवाली की पुलिस टीम हरियाणा में दबिश देने गई थी। हादसे में चार पुलिसकर्मियों व वादी की मौत हुई है।
>
> -विनय कुमार सिंह, एसपी जालौन

इटिहिवा टीला होगा संरक्षित, 113 .49 लाख की पहली किस्त मंजूर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। ऐतिहासिक इटिहिवा टीले के संरक्षण को लेकर बड़ा कदम उठाया गया है। सुल्तानपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री विनोद सिंह के प्रयास रंग लाए हैं, जिसके तहत इस प्राचीन स्थल को संरक्षित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मान्यता है कि यह टीला भगवान श्रीराम के पुत्र भगवान कुश द्वारा बसाए गए प्राचीन कस्बे के अवशेषों में से एक है। उत्तर प्रदेश शासन के अनु सचिव मनोज कुमार ने पुरातत्व निदेशालय को इस स्थल के संरक्षण के लिए पत्र भेजा है। बीते 19 मार्च 2026 को हुई अप्रेजल समिति की बैठक में टीले के चारों ओर बाउंड्रीवाल निर्माण की संस्तुति दी गई थी। कुल 226.99 लाख रुपये की लागत से इस परियोजना को पूरा किया जाएगा, जिसमें से 113.49 लाख रुपये की पहली किस्त स्वीकृत हो चुकी है। निर्माण कार्य कार्यदाई संस्था बछवै द्वारा कराया जाएगा। कूरेभार ब्लॉक के सरवन गांव में स्थित करीब 16 एकड़ क्षेत्र में फैले इस टीले के संरक्षण से न सिर्फ ऐतिहासिक धरोहर सुरक्षित होगी, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। काफी समय से विधायक विनोद सिंह इस परियोजना के लिए शासन स्तर पर प्रयासरत थे। इस उपलब्धि पर उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया है। अयोध्या, प्रयागराज, लखनऊ और वाराणसी के बीच स्थित कुशभवनपुर (सुल्तानपुर) का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व और भी बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

धर्म की आस्था में डूबा बल्दीराय कस्बा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। बल्दीराय कस्बा जेठ माह के प्रथम मंगलवार को पूरी तरह भक्ति और आस्था के रंग में रंगा नजर आया। स्थानीय तहसील क्षेत्र के श्याम गैस एजेंसी चौराहे पर श्रद्धालुओं द्वारा विधि-विधान से सुन्दरकाण्ड का पवित्र पाठ आयोजित किया गया।

पाठ के उपरांत बजरंग बली की भव्य आरती उतारी गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आरती के दौरान पूरा वातावरण जय श्री राम और हनुमान जी के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जिससे कस्बे का माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर सुनील जायसवाल उत्तम जायसवाल अनिल जायसवाल सरोज देवी लक्ष्मी देवी सुनीता देवी सत्यम जायसवाल साक्षी जायसवाल

धुर्व जायसवाल कंस राज जायसवाल सचिन जायसवाल रामराज जायसवाल आषीश कौशल नरेन्द्र अग्रहरि अभिषेक अग्रहरि राजधर शुक्ल अशोक सिंह डा.रामकृपाल मौर्य राजमणि पाड़े सोनू शर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में श्राद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक सुनील जायसवाल व उत्तम जायसवाल ने आए हुए श्रद्धालुओं व कार्यकर्ताओ के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीशहर के विवेकानगर मोहल्ले में जेष्ठ के पहले मंगल को मोहल्ले वासियों ने विवेक नगर चौराहे पर धूम धाम से जेष्ठ का मंगल मनाया और शरबत का वितरण किया इस दौरान चारों तरफ हनुमान चालीसा के स्वर गूंज रहे थे इलाके के कमलाकर तिवारी, पंकज मिश्रा, दीपक सिंह, पीयूष श्रीवास्तव(निक्की), आशीष श्रीवास्तव, अनुराग श्रीवास्तव,पवन यादव, विभु श्रीवास्तव, बोनी श्रीवास्तव, अनुज श्रीवास्तव, बिहारी चौरसिया, शरद श्रीवास्तव, नितिन श्रीवास्तव अंकुश श्रीवास्तव समेत मोहल्ले के तमाम लोग उपस्थित रहे।

जिसे बेटा माना, वही बना कातिल... बरेली में एलआईयू के रिटायर्ड दरोगा की पत्नी की हत्या

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एलआईयू के रिटायर्ड दरोगा की पत्नी शारदा यादव की बेरहमी से हत्या कर दी गई। परिवार का आरोप है कि जिस युवक को मुंह बोला बेटा माना था, उसी ने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मामले की जांच में जुट गई है।

सुभाषनगर के मढ़ीनाथ इलाके में रहने वाले गजराज सिंह एलआईयू से दरोगा पद से रिटायर हुए हैं। उनकी पत्नी शारदा यादव एक साधारण गृहणी थीं। रिश्तेदार रिंकू यादव के मुताबिक, बिहारीपुर निवासी वरुण पारासरी का घर में आना-जाना था। धीरे-धीरे वह परिवार के बेहद करीब आ गया और शारदा उसे अपने बेटे जैसा मानने लगी थीं।

शारदा यादव घर वापस नहीं लौटीं

शनिवार दोपहर शारदा यादव घर से यह कहकर निकली थीं कि उन्हें बैंक में जेवर लॉकर में रखने हैं। लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटीं। जब देर शाम तक उनका कोई पता नहीं चला तो परिवार वालों ने पुलिस से मदद मांगी, लेकिन शुरुआत में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद परिजन खुद ही तलाश में जुट गए। सर्विलांस और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की मदद से पता चला कि शनिवार को सुबह 11:54 बजे वरुण ने शारदा को फोन किया था। इसके चार मिनट बाद, 11:58 बजे शारदा को मढ़ीनाथ इलाके में एक कार में बैठते हुए देखा गया। यह कार वरुण की ही थी। यहीं से शक गहराता चला गया।

परिजनों ने पुलिस को पूरी जानकारी दी, जिसके बाद सोमवार शाम पुलिस ने वरुण को हिरासत में ले लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया और उसकी निशानदेही पर पीलीभीत के जहानाबाद इलाके के पास से शारदा का शव बरामद कर लिया गया। शव मिलने की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। वरुण नगर निगम में संविदा कर्मी है।

योजना बनाकर दिया वारदात को अंजाम

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह हत्या अचानक नहीं की गई, बल्कि पूरी योजना के तहत अंजाम दी गई। वरुण पहले परिवार के करीब आया, उनका भरोसा जीता और फिर मौका देखकर शारदा को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। पुलिस ने आरोपी की कार भी बरामद कर ली है, जिसमें खून के निशान मिले हैं। कार के अंदर रखे एक भारी औजार (पाना) पर भी खून लगा हुआ था। आशंका है कि इसी से शारदा के सिर पर वार कर उनकी हत्या की गई। परिवार का यह भी कहना है कि शारदा हमेशा गले में सोने की चेन और हाथों में अंगूठियां पहनती थीं, जिनका वजन करीब छह तोला बताया जा रहा है। ऐसे में शक जताया जा रहा है कि हत्या के पीछे लालच भी एक बड़ी वजह हो सकती है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

घटना की जानकारी मिलते ही एसपी सिटी खुद मौके पर पहुंचे और जांच का जायजा लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा, हालांकि प्रथम दृष्टया सिर पर गंभीर चोट लगने से मौत मानी जा रही है।

'जो कार से गया, उसकी लाश नाले में' मुरादाबाद के अमन की मौत बनी पहली, इकलौते बेटे की लाश देख सदमे में घरवाले

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां मझोला थाना क्षेत्र के श्री राम चौक के पास एक खुले नाले से युवक का शव हुआ है। मृतक की पहचान सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के रामगंगा विहार स्थित केसरी कुंज कॉलोनी निवासी 26 वर्षीय अमन उर्फ विक्की के रूप में हुई है। अमन पेशे से कार चालक था और बीते 30 अप्रैल से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता था। परिजनों के मुताबिक, वह घर से यह कहकर निकला था कि वह बुकिंग पर जा रहा है, लेकिन इसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया और उससे संपर्क नहीं हो सका।

परिवार ने पहले सोचा कि वह काम में व्यस्त होगा, लेकिन जब कई दिनों तक कोई खबर नहीं मिली तो चिंता बढ़ने लगी। चार दिन तक लगातार तलाश के बाद सोमवार सुबह करीब 10 बजे कुछ राहगीरों की नजर नाले में पड़े एक शव पर पड़ी। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मझोला थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करते हुए साक्ष्य जुटाए।

पुलिस घटना की जांच में जुटी

पुलिस ने जब शव की तलाशी ली तो जेब से मिले दस्तावेजों के आधार पर उसकी पहचान अमन उर्फ विक्की के रूप में हुई। इस खबर के मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रिपोर्ट में मौत का कारण पानी में डूबना बताया गया है, हालांकि पुलिस अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है, ताकि घटना के हर पहलू को स्पष्ट किया जा सके। मृतक के पिता अशोक, जो एक पेपर मिल में काम करते हैं, उन्होंने बताया कि अमन ही परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। परिवार में उसकी मां राजेश्वरी और दो बहनें निशा व निशू हैं। अशोक की तबीयत अक्सर खराब रहती है, ऐसे में घर की पूरी जिम्मेदारी अमन के कंधों पर थी। 30 अप्रैल को जब वह घर से निकला था, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि यह उसकी आखिरी विदाई होगी।

परिवार पर टूटा गमों का पहाड़

अमन की मौत से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मां और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुरादाबाद में खुले नाले लगातार हादसों को न्योता दे रहे हैं। जिस नाले से अमन का शव मिला, वह भी बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के खुला पड़ा था। इलाके के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि शहर में खुले नालों को ढकने और उचित सुरक्षा उपाय करने की दिशा में तुरंत कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

23 लीटर अवैध शराब व 480 किलो लहन नष्ट, दो पर मुकदमा दर्ज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी विभाग ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए। यह अभियान आबकारी आयुक्त के आदेश पर, जिलाधिकारी सुल्तानपुर और उप आबकारी आयुक्त (अयोध्या प्रभार) के निर्देश में चलाया जा रहा है।

जिला आबकारी अधिकारी, उपजिलाधिकारी सदर और क्षेत्राधिकारी सदर के निर्देशन में आबकारी निरीक्षक रणविजय सिंह (क्षेत्र-1) ने अपनी टीम के साथ थाना कोतवाली नगर के ग्राम बल्लीपुर, चुनहा में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान 23 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई और लगभग 480 किलो लहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इस संबंध में दो अभियोग भी पंजीकृत किए गए हैं। टीम में साकेत राय,

अंकित शर्मा, ओमवीर और इरफान शामिल रहे, जिन्होंने संयुक्त रूप से अभियान को अंजाम दिया। इसके साथ ही क्षेत्र में संचालित आबकारी दुकानों का निरीक्षण किया गया। जहां स्टॉक का भौतिक सत्यापन और गुप्त रूप से टेस्ट परचेज भी कराया गया।

अभियान के दौरान आरओ प्लांट, कबाड़ी की दुकानों और ईंट भट्ठों की भी सघन जांच की गई। ग्रामीणों को अवैध शराब के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए टीम ने बताया कि ऐसी शराब का सेवन न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है बल्कि जानलेवा भी साबित हो सकता है। आबकारी निरीक्षक रणविजय सिंह ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी और ऐसे अपराध किसी भी स्थिति में क्षम्य नहीं हैं।

हत्यारे जर्मन शेफर्ड 'राबर्ट' का फिर हमला, पूर्व LG की बहन को एक साल पहले नोचकर मारा

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। यूपी के कानपुर शहर में पालतू कुत्ते के हमले का एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। विकास नगर इलाके में पालतू जर्मन शेफर्ड नस्ल के कुत्ते राबर्ट ने परिवार की महिला पर हमला कर दिया। इस बार कुत्ते ने अपनी मालकिन किरण त्रिवेदी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। महिला के दोनों हाथों में गहरे जख्म आए हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चौंकाने वाली बात यह है कि यही वही कुत्ता है जिसने पिछले साल 90 वर्षीय मोहिनी त्रिवेदी की जान ले ली थी। मोहिनी त्रिवेदी पुडुचेरी के पूर्व उपराज्यपाल त्रिभुवन प्रसाद तिवारी की बहन थीं। बीते वर्ष 19 मार्च को विकास नगर स्थित घर में कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया था, तब मोहिनी त्रिवेदी ने कुत्ते को छड़ी से डराने का प्रयास किया था, जिससे आक्रामक होकर राबर्ट ने उन पर हमला कर दिया था और उनके पैरों में फ्रैक्चर हो गया था। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

घटना के बाद नगर निगम की टीम ने कुत्ते को पकड़कर शेल्टर होम भेज दिया था। हालांकि करीब 20 दिन बाद परिवार के सदस्य प्रशांत त्रिवेदी ने हलफनामा देकर कुत्ते को वापस घर ले आया था। हलफनामे में यह जिम्मेदारी ली गई थी कि भविष्य में कुत्ता किसी पर हमला करता है तो उसकी पूरी जवाबदेही परिवार की होगी। पड़ोसियों के अनुसार, प्रशांत 1 मई को ही राबर्ट को वापस घर लाया था। बीते शनिवार रात करीब 10:30 बजे, जब प्रशांत घर पर मौजूद नहीं था, तो राबर्ट ने अपनी बुजुर्ग मालकिन किरण त्रिवेदी पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिला को देर रात सर्वोदय नगर के रतनदीप हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। हैरानी की बात यह है कि परिजनों ने घटना को दो दिनों तक छिपाए रखा और अस्पताल में कुत्ते के हमले के बजाय आवारा पशु द्वारा चोट लगने की बात कही।

मामला संज्ञान में आने के बाद नगर निगम प्रशासन सख्त रुख अपना रहा है। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ। आर.के। निरंजन ने बताया कि कुत्ते का पंजीकरण है। परिवार ने हलफनामा दिया था और उसका उल्लंघन हुआ है। इसलिए नगर निगम की टीम मंगलवार को दोबारा कुत्ते को पकड़कर शेल्टर होम भेजेगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। डॉक्टरों के अनुसार किरण त्रिवेदी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

उत्सव के रूप में मना विश्व हाथ स्वच्छता दिवस

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। विश्व हाथ स्वच्छता दिवस पर मंगलवार को जनपद के विभिन्न विद्यालयों, स्वास्थ्य इकाइयों, महिला आरोग्य समितियों और आंगनबाड़ी केन्द्रों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर हाथों की स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया।

स्वास्थ्य विभाग के साथ ही शिक्षा व बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग (आईसीडीएस) के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया व केनव्यू (KENVUE) के सहयोग से डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम के तहत आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कर्मियों, स्कूली बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों ने भाग लिया। इस दिवस को जनपद में एक उत्सव के रूप में मनाया गया। इस मौके पर ओआरएस और जिंक के महत्व के बारे में बताने के साथ ही ओआरएस के पैकेट का वितरण भी किया गया।

इसी क्रम में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र साजारी में आयोजित बैठक में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. शालिनी श्रीवास्तव द्वारा उपस्थित स्टाफ और लोगों को सही तरीके से हाथ धोने के छह चरणों के बारे में SUMAN K के माध्यम से विस्तार से बताया गया और अभ्यास भी कराया गया। यह छह चरण हैं – S (एस) -साबुन-पानी से झाग बनाने के बाद पहले सीधी हथेलियों को बारी-बारी से घिसें, U(यू) - उल्टी तरफ हाथों को बारी-बारी से घिसें, M (एम)- मुट्ठी बंदकर हाथों को अच्छी तरह घिसें, A (ए)- अंगूठों को अच्छी तरह से रगड़ें, N (एन) - नाखूनों को अच्छी तरह से साफ़ करें, K (के)- कलाइयों को भी ठीक से रगड़ें। इस तरह इन छह चरणों को अपनाकर संक्रामक बीमारियों को मात दिया जा सकता है। इसकी आदत बचपन से ही विकसित की जाए तो आगे चलकर भी यह सदा के लिए बनी रहती है।

उधर कंपोजिट विद्यालय बेनाझाबर में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में प्रधानाचार्य सारिका ने कहा कि संक्रामक बीमारियों से बचाव का सबसे सरल और कारगर तरीका हाथों को साबुन-पानी से कम से कम 20 सेकंड तक सही तरीके से धोना है। दिनभर में हम हाथों से कई तरह के जरूरी काम करते हैं और उस दौरान कई लोगों, सतहों और वस्तुओं के सीधे सम्पर्क में आते हैं। इससे गंदगी, रोगाणु, कीटाणु और बैक्टीरिया की गिरफ्त में आने की पूरी सम्भावना होती है। इसलिए साबुन-पानी से हाथों को सही तरीके से धोना बहुत जरूरी होता है। बच्चों की देखभाल से पहले, मरीजों की सेवा से पहले और बाद में, खाना बनाने या खाने से पहले, शौचालय का उपयोग करने के बाद, खांसने, छींकने या नाक साफ़ करने के बाद, कचरा उठाने या किसी गन्दी सतह को छूने के बाद, जानवरों या पालतू जानवरों को छूने के बाद हाथों को साबुन-पानी से कम से कम 20 सेकंड तक सही तरीके से अवश्य धोएं। इस अवसर पर पीएसआई इंडिया से राम कुमार तिवारी, अन्नू अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

कर्मचारियों के लिए राहत, परस्पर सहमति के आधार पर भी तैनाती पा सकेंगे राज्यकर्मी, शासनादेश जारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने बच्चों की देखभाल के लिए राज्य कर्मियों को म्यूचुअल यानी एक-दूसरे की सहमति से तबादले की सुविधा दी है। प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम देवराज ने मंगलवार को नई तबादला नीति का शासनादेश जारी कर दिया। इसके आधार पर 31 मई तक तबादले किए जा सकेंगे।

शासनादेश में कहा गया है कि किसी अधिकारी या कर्मचारी के व्यक्तिगत कारणों जैसे चिकित्सा या बच्चों की शिक्षा, शासकीय सेवा के दौरान मृत माता-पिता के अवस्यक बच्चों के पालन पोषण, देखभाल आदि के लिए स्थान रिक्त होने पर एक-दूसरे कार्मिकों की सहमति से स्थानांतरण या समायोजन किया जा सकेगा। बशर्ते उस पर कोई प्रशासनिक आपत्ति न हो। पति-पत्नी

दोनों सरकारी सेवा में होने पर उन्हें यथासंभव एक ही जिले, शहर या स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा। मंदित बच्चों या पूरी तरह से निशक्त बच्चों के माता-पिता की तैनाती उनके अनुरोध के आधार पर किया जाएगा। स्थानांतरित कार्मिकों को तय अवधि में कार्यभार ग्रहण करना होगा, वरना स्वतः कार्यमुक्त मान लिया जाएगा।

चयन वर्ष की गणना जुलाई के बजाय जनवरी से

प्रदेश सरकार ने भर्ती और पदोन्नति के लिए चयन वर्ष में बदलाव कर दिया है। चयन वर्ष की गिनती अब एक जनवरी से 12 माह तक यानी दिसंबर तक की जाएगी। अभी चयन वर्ष एक जुलाई से शुरू होता है। नया चयन वर्ष एक जनवरी 2027 से प्रभावी माना जाएगा।

प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम. देवराज ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश लोक सेवा (भर्ती का वर्ष परिभाषा का प्रतिस्थापना) नियमावली-2026 जारी की। पुरानी नियमावली 2026-27 एक जुलाई 2026 से 31 दिसंबर 2026 तक सीमित रहेगा। इस नियमावली के लागू होने से पूर्व यदि किसी पद के लिए चयन हो चुका है या चयन प्रक्रिया चल रही है, तो भर्ती इससे प्रभावित रहेगी। नियमावली लागू होने से पूर्व अगर किसी पद के चयन के लिए विज्ञापन किया जा चुका है तो भर्ती विज्ञापन के अनुसार की जाएगी।

पीसीएस-जे परीक्षा पास करने वाले हो सकेंगे एचजेएस

पीसीएस जे परीक्षा पास करने वाले भी अब एचजेएस (उच्चतर न्यायिक सेवा) भर्ती के लिए पात्र माने जाएंगे। इसके लिए नौकरी और वकालत करते हुए सात साल पूरे होने चाहिए। शासन ने इस संबंध में मंगलवार को अधिसूचना जारी कर दी है।

इसके लिए उत्तर प्रदेश उच्चतर न्यायिक सेवा (उन्नीसवां संशोधन) नियमावली-2026 जारी कर दी गई है। एचजेएस की भर्तियां अब इसके आधार पर होंगी। एचजेएस भर्ती में आवेदन के लिए सात साल की वकालत की अनिवार्यता थी, इसके चलते पीसीएस-जे वाले आवेदन नहीं कर पा रहे थे। इसीलिए नौकरी और वकालत मिलाकर सात साल होने पर आवेदन के लिए पात्र कर दिया गया है।

सरकारी वकील और अभियोजक को भी इसमें शामिल किया गया है। इसके लिए उसने सात वर्ष या उससे अधिक लगातार प्रैक्टिस आवेदन से पहले पूरी कर ली हो। पीसीएस-जे को भर्ती के समय अच्छे चरित्र का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। सेवारत न्यायिक अधिकारी और पूर्व न्यायिक अधिकारी को अपना आवेदन उच्च न्यायालय के महानिबंधक के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा।

प्रीपेड स्मार्ट मीटर अब पोस्टपेड की तरह करेंगे काम, उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब राज्य में लगाए गए प्रीपेड स्मार्ट मीटर पहले की तरह पोस्टपेड स्मार्ट मीटर के रूप में कार्य करेंगे, जिससे उपभोक्ताओं को बिलिंग और भुगतान में बड़ी सुविधा मिलेगी।यह जानकारी ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री ए.के. शर्मा ने दी। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल भी मौजूद रहे।निर्णय के तहत अब उपभोक्ताओं को पहले की तरह मासिक बिलिंग साइकिल के आधार पर बिल मिलेगा और बिल जमा करने की अंतिम तिथि भी स्पष्ट रूप से अंकित रहेगी। बिजली खपत का बिल हर महीने के अंत तक एसएमएस और व्हाट्सएप के माध्यम से भेजा जाएगा। जिन उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर बदल गए हैं, उन्हें अपना नंबर अपडेट कराने की सलाह दी गई है।सभी स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को हर माह की 10 तारीख तक बिल उपलब्ध करा दिया जाएगा और बिल मिलने के बाद भुगतान के लिए 15 दिन का समय दिया जाएगा। यदि किसी उपभोक्ता को समय पर बिल प्राप्त नहीं होता है तो वह संबंधित वितरण निगमों के व्हाट्सएप चैटबॉट या 1912 पोर्टल के माध्यम से अपना बिल प्राप्त कर सकता है। सरकार ने उपभोक्ताओं को अतिरिक्त राहत देते हुए यह भी निर्णय लिया है कि 30 अप्रैल तक के बकाया बिल को 10 किश्तों में जमा किया जा सकेगा। इसके साथ ही मई और जून माह में खंड एवं उपखंड स्तर पर विशेष कैंप लगाकर स्मार्ट मीटर से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण किया जाएगा।

बीबीएयू में 'अंतर्राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी दिवस' पर व्याख्यान व प्रतियोगिताएं, स्वस्थ जीवनशैली पर दिया जोर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 5 मई को जैव प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से 'अंतर्राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी दिवस' के उपलक्ष्य में व्याख्यान सत्र एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और समाज में स्वास्थ्य, प्रतिरक्षा तंत्र और संतुलित जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान के चीफ साइंटिस्ट डॉ. मुकेश पसुपुलेटी उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान के डॉ. रवि शंकर सिंह ने सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत संयोजक डॉ. जी. सुनील बाबू द्वारा स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने आयोजन की रूपरेखा और उद्देश्य से सभी को अवगत कराया।मुख्य अतिथि डॉ. मुकेश पसुपुलेटी ने अपने संबोधन में कहा कि मानव शरीर एक अमूल्य धरोहर है और इसकी सुरक्षा व देखभाल प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रतिरक्षा तंत्र के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि बदलती जीवनशैली और बढ़ते रोगों के इस दौर में इम्युनिटी को मजबूत बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, स्वच्छता और सकारात्मक सोच को स्वस्थ जीवन का आधार बताया। साथ ही समय-समय पर स्वास्थ्य जांच और जागरूकता को भी जरूरी बताया।डॉ. रवि शंकर सिंह ने अपने वक्तव्य में आधुनिक जीवनशैली की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनियमित खानपान और बार-बार बिना आवश्यकता भोजन करने की आदत के कारण जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने समयबद्ध और संतुलित आहार, जंक फूड से परहेज तथा नियमित शारीरिक गतिविधि अपनाने पर बल दिया। उन्होंने यह भी बताया कि सही खानपान न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि पाचन तंत्र को मजबूत कर जीवन की गुणवत्ता में सुधार करता है।विभागाध्यक्ष प्रो. डी.आर. मोदी ने टीकाकरण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि समय पर लगाए गए टीके कई गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी से स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि जागरूकता और स्वच्छता के साथ संतुलित जीवनशैली अपनाकर एक स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है।कार्यक्रम संयोजक डॉ. जी. सुनील बाबू ने बताया कि विभाग द्वारा समय-समय पर विद्यार्थियों और समाज के विभिन्न वर्गों को स्वास्थ्य एवं जागरूकता से जुड़े विषयों पर शिक्षित करने के लिए ऐसे आयोजन किए जाते हैं, जिससे युवाओं में जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना विकसित होती है।

ईदगाह के पास सट्टा खेलते दो गिरफ्तार, पर्ची व नकदी बरामद; एक आरोपी फरार

लखनऊ। थाना मदेयगंज क्षेत्र में अवैध सट्टा संचालन के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सट्टा पर्चियां और नगदी भी बरामद की है।पुलिस के अनुसार 05 मई 2026 को टीम क्षेत्र में गश्त व अपराध नियंत्रण के दौरान डालीगंज क्रॉसिंग के पास मौजूद थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि मीठी खिचड़ी स्थित ईदगाह के पास गली में कुछ लोग सट्टा (खाड़ी-बाड़ी) करा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दबिश दी।कार्रवाई के दौरान पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे, लेकिन पुलिस ने दो व्यक्तियों को पकड़ लिया, जबकि एक आरोपी मौके से फरार हो गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान फिरोज अहमद उर्फ रीबू (46 वर्ष) निवासी रूपपुर खदरा और इरशाद (28 वर्ष) निवासी नगरी शिवनगर खदरा के रूप में हुई।

किन्नर बनकर महिलाओं से लूट करने वाला गिरोह गिरफ्तार, सीसीटीवी खंगालकर पुलिस ने किया खुलासा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के थाना बिजनौर क्षेत्र में मॉर्निंग वॉक पर निकली महिलाओं से झपट्टा मारकर मंगलसूत्र और कान की बालियां लूटने की घटना का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए जेवरात और घटना में प्रयुक्त वैगनआर कार भी बरामद की है।प्रकरण के अनुसार 04 मई 2026 को वादिनी की तहरीर पर थाना बिजनौर में मु0अ0सं0-118/2026 धारा 309(4) बीएनएस के तहत अज्ञात किन्नरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया कि सुबह के समय मॉर्निंग वॉक पर निकली दो महिलाओं से कार सवार किन्नरों ने झपट्टा मारकर मंगलसूत्र और कान की बालियां छीन ली थीं।घटना को गंभीरता से लेते हुए

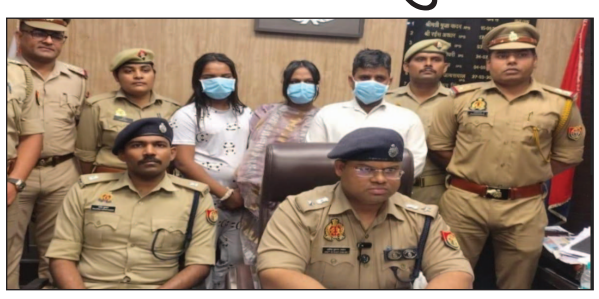

पुलिस उपायुक्त दक्षिणी लखनऊ के निर्देशन में कई टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने करीब 100 से 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और सघन जांच के बाद आरोपियों की पहचान सुनिश्चित की। इसके बाद 05 मई 2026 को अलीनगर खुर्द अंडरपास के पास से तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तार अभियुक्तों में अजय रावत उर्फ रानी किन्नर (23 वर्ष), आकाश गुप्ता उर्फ कमौलिका उर्फ कम्मो (24 वर्ष) तथा रफीक अहमद (44 वर्ष) शामिल हैं, जबकि अन्नू नामक एक आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे किन्नर होने का फायदा उठाकर महिलाओं को निशाना बनाते थे। पहले घर में शादी होने का बहाना बनाकर पैसे मांगते थे और पैसा न मिलने पर अशोभनीय हरकतें कर दबाव बनाते थे। इसके बाद महिलाओं को डरा-धमकाकर उनके पहने हुए जेवर छीनकर फरार हो जाते थे। कई मामलों में विरोध करने पर मारपीट भी करते थे।घटना के दिन भी आरोपी वैगनआर कार से निकले थे और सुबह करीब 6 बजे बिजनौर कस्बे में सड़क किनारे टहल रही दो महिलाओं को निशाना बनाकर उनके गले का मंगलसूत्र और कान की बालियां छीन ली थीं। लूट के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे और बाद में लूटे गए जेवर आपस में बांट लिए थे।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक मंगलसूत्र, दो जोड़ी कान की बालियां और घटना में प्रयुक्त कार बरामद कर ली है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना बिजनौर के प्रभारी निरीक्षक कपिल गौतम सहित उपनिरीक्षक प्रशांत सिंह, तेजवीर सिंह, प्रदीप कुमार, गजय सिंह, महिला कांस्टेबल पूजा तथा कांस्टेबल दिनेश चौरसिया और संजय कुमार शामिल रहे।

प्रयागराज में शिक्षा मित्र सम्मान समारोह, मानदेय वृद्धि का शुभारंभ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया सम्मानित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। केशव प्रसाद मौर्य आज प्रयागराज के जिला पंचायत सभागार में आयोजित शिक्षा मित्र सम्मान एवं बढ़े हुए मानदेय वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और प्रदेश के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में शिक्षा मित्रों की भूमिका की सराहना की।कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही उपमुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग और स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा मित्रों द्वारा तैयार शैक्षणिक मॉडल और नवाचारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले ये शिक्षक आधुनिक शिक्षा प्रणाली की रीढ़ हैं।मुख्य कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने कई शिक्षा मित्रों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया और बढ़े हुए मानदेय के डेमो चेक वितरित किए। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा मित्रों की समस्याओं और मांगों के प्रति संवेदनशील है और यह मानदेय वृद्धि उनके परिश्रम के प्रति सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने शिक्षा मित्रों को ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की अलख जगाने वाला महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए कहा कि उनका योगदान अमूल्य है।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से सीधे बैंक खातों में मानदेय भेजकर पारदर्शिता सुनिश्चित कर रही है। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि शिक्षा मित्रों के कल्याण के लिए आगे भी विभिन्न योजनाओं पर काम किया जाएगा। इस अवसर पर प्रवीण पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि, विधायकगण, जिला पंचायत अध्यक्ष, महापौर, जिलाधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

45 लाख की लूट कांड में 50 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार, क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना विभूतिखण्ड क्षेत्र में कंपनी के कलेक्शन मैन से लाखों रुपये लूटने की घटना में क्राइम ब्रांच और पुलिस टीम को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 50 हजार रुपये के इनामी वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नगद बरामद किया है, जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश अभी भी जारी है।प्रकरण के अनुसार 05 अप्रैल 2026 को वादी निकुल सिंह महेंद्र सिंह जडेजा निवासी गुजरात की तहरीर पर थाना विभूतिखण्ड में मु.अ.सं. 0119/2026 धारा 309(4) बीएनएस के तहत दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया कि स्कार्पियो सवार बदमाशों ने कलेक्शन मैन को धक्का देकर नगदी से भरा बैग लूट लिया

था।घटना की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच और थाना विभूतिखण्ड पुलिस की संयुक्त टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 10 अप्रैल 2026 को इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 45 लाख रुपये बरामद किए थे। इसके बाद 25 अप्रैल 2026 को एक अन्य वांछित इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर 2 लाख 10 हजार रुपये बरामद किए गए थे।इसी क्रम में लगातार चल रही कार्रवाई के तहत 05 मई 2026 को क्राइम ब्रांच की स्वाट/सर्विलांस टीम और विवेचक द्वारा संयुक्त ऑपरेशन चलाते हुए 50 हजार रुपये के इनामी वांछित आरोपी सलमान खान को थाना विभूतिखण्ड क्षेत्र में हनीमैन चौराहे के आगे रेलवे लाइन की ओर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 80 हजार रुपये नगद बरामद हुए हैं। गिरफ्तार आरोपी को विधिक कार्रवाई के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी अपने गिरोह के साथ मिलकर कंपनी के कलेक्शन मैन की रेकी करते थे। जैसे ही कलेक्शन मैन पैसे लेकर जमा करने निकलता था, आरोपी बिना नंबर प्लेट की स्कार्पियो से पहुंचकर उसे धक्का देकर रुपयों से भरा बैग छीन लेते थे और फरार हो जाते थे। लूट की रकम को आपस में बांटकर निजी खर्चों और शौक पूरे करते थे।गिरफ्तार आरोपी सलमान खान (27 वर्ष) निवासी चिनहट का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है और उसके खिलाफ पहले भी हजरतगंज थाना में मुकदमा दर्ज है। पुलिस के अनुसार इस मामले में धारा 317(2), 317(5) और 61(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी करते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

तीन साल बाद मिली गुमशुदा बालिका, एएचटीयू की सतर्कता से सुरक्षित बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना पीजीआई क्षेत्र से वर्ष 2023 में लापता हुई 14 वर्षीय बालिका को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। यह सफलता क्राइम ब्रांच के अंतर्गत कार्यरत एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (AHTU) की सतत निगरानी और समन्वित प्रयासों से मिली है।प्रकरण के अनुसार 13 अप्रैल 2023 को वादिनी द्वारा अपनी नाबालिग पुत्री के गुमशुदा होने पर थाना पीजीआई में मु0अ0सं0-261/2023 धारा 363 भादवि के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया था। प्रारंभिक विवेचना थाना पीजीआई द्वारा की जा रही थी, जिसे बाद में संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय के आदेश पर एएचटीयू को स्थानांतरित कर दिया गया।वर्तमान में मामले की विवेचना उपनिरीक्षक सत्यपाल सिंह द्वारा की जा रही थी। प्रभारी निरीक्षक दशरथ सिंह के नेतृत्व में टीम ने विभिन्न बाल आश्रय गृहों से समन्वय स्थापित करते हुए बालिका की तलाश जारी रखी। इसी क्रम में 4 मई 2026 को सूचना मिली कि एक बालिका, जिसने अपना नाम बदल रखा है, पहले राजकीय बालगृह सिंधीखेड़ा में रह चुकी है और वर्तमान में कुर्सी रोड स्थित स्नेहालय बालिका गृह में निवास कर रही है।सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बालिका की पहचान सुनिश्चित की। पूछताछ में बालिका ने बताया कि घर में माता-पिता के बीच होने वाले विवाद से परेशान होकर वह घर छोड़कर चली गई थी और पहचान छिपाने के लिए नाम बदलकर बालिका गृह में रह रही थी।पुलिस ने विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए बालिका को सकुशल बरामद कर लिया है।

हाथों को स्वच्छ रखें और संक्रामक बीमारियों से बचें

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। विश्व हाथ स्वच्छता दिवस पर मंगलवार को जनपद के विभिन्न विद्यालयों और स्वास्थ्य इकाइयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर हाथों की स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया व केनव्यू के सहयोग से 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के तहत आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों में स्कूली बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों ने भाग लिया।

इसी क्रम में कम्पोजिट विद्यालय ककराऊ में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापक आशा देवी ने कहा कि डायरिया समेत कई संक्रामक बीमारियों से बचाव का सबसे सरल और कारगर तरीका हाथों को साबुन-पानी से कम से कम 20 सेकंड तक सही तरीके से धोना है। दिनभर में हम हाथों से कई तरह के जरूरी काम करते हैं और उस दौरान कई लोगों, सतहों और वस्तुओं के सीधे सम्पर्क में आते हैं। इससे गंदगी, रोगाणु, कीटाणु और बैक्टीरिया की गिरफ्त में आने की पूरी सम्भावना होती है। इसलिए साबुन-पानी से हाथों को सही तरीके से धोना बहुत जरूरी होता है।

शिक्षिका रेनू ने कहा कि आज हम सभी 'विश्व हाथ स्वच्छता दिवस' के अवसर पर एकत्रित हुए हैं। प्रतिवर्ष पांच मई को मनाया जाने वाला यह दिन हमें याद दिलाता है कि बेहतर स्वास्थ्य की पहली सीढ़ी हमारे हाथों की स्वच्छता है। इस मौके पर स्कूली बच्चों को बताया गया कि हाथों को धोना ही पर्याप्त नहीं होता बल्कि सही तरीके से हाथों को धोना जरूरी होता है। इसके लिए S U M A N K (सुमन-के) के बारे में बच्चों को सरल तरीके से समझाया गया ताकि वह इन छह चरणों को अपनाकर हाथों की सही स्वच्छता के लिए सक्षम बन सकें। यह छह चरण हैं – S (एस) - साबुन-पानी से झाग बनाने के बाद पहले सीधी हथेलियों को बारी-बारी से घिसें, U(यू) - उल्टी तरफ हाथों को बारी-बारी से घिसें, M (एम)- मुट्ठी बंदकर हाथों को अच्छी तरह घिसें, A (ए)- अंगूठों को अच्छी तरह से रगड़ें, N (एन) - नाखूनों को अच्छी तरह से साफ़ करें, K (के)- कलाइयों को भी ठीक से रगड़ें। इस तरह इन छह चरणों को अपनाकर संक्रामक बीमारियों को मात दिया जा सकता है। इसका अभ्यास भी बच्चों से कराया गया।

इस मौके पर यह भी बताया गया कि बच्चों की देखभाल से पहले, मरीजों की सेवा से पहले और बाद में, खाना बनाने या खाने से पहले, शौचालय का उपयोग करने के बाद, खांसने, छींकने या नाक साफ़ करने के बाद, कचरा उठाने या किसी गन्दी सतह को छूने के बाद, जानवरों या पालतू जानवरों को छूने के बाद हाथों को साबुन-पानी से कम से कम 20 सेकंड तक सही तरीके से अवश्य धोएं।

चिनहट में फायरिंग कांड का त्वरित खुलासा, मुख्य आरोपी कुछ ही घंटों में गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना चिनहट क्षेत्र में महिला पर जानलेवा फायरिंग की घटना में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें सक्रिय कर दी गई हैं।प्रकरण के अनुसार 05 मई 2026 को वादी आदित्य सिंह निवासी हंस विहार कॉलोनी, चिनहट द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर थाना चिनहट में मु0अ0सं0-236/26 धारा 191(2), 191(3), 109(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। आरोप था कि विपक्षीगण ने वादी की माता पर जान से मारने की नियत से फायरिंग की। घटना में नामजद आरोपियों के साथ 4-5 अज्ञात लोग भी शामिल बताए गए, जो विभिन्न वाहनों से मौके पर पहुंचे थे।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर

जांच शुरू की। उच्च अधिकारियों द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया और साक्ष्य जुटाए गए। विवेचना के दौरान अतिरिक्त धाराएं 3(5), 115(2) और 352 बीएनएस की बढ़ोतरी भी की गई।तेज कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी दिव्यांश सिंह (21 वर्ष) निवासी बहराइच, हाल पता बीबीडी थाना क्षेत्र लखनऊ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार अन्य आरोपियों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। साथ ही गिरफ्तार आरोपी के आपराधिक इतिहास की जानकारी भी अन्य जनपदों से जुटाई जा रही है।गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक तेज कुमार शुक्ल, उपनिरीक्षक बिट्टू, हेड कांस्टेबल आनंद सिंह और कांस्टेबल रामपाल जयसवाल शामिल रहे।

पूरी दुनिया में 373 करोड़ मज़दूरों में से 62 करोड़ अकेले भारत में

हर साल पहली मई को विश्व में अंतर्राष्ट्रीय मई (श्रमिक) दिवस मनाया जाता है। अकेले भारत में 62 करोड़ सर्वाधिक श्रमिक हैं। विश्व की अर्थव्यवस्था में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। लेकिन समाज में सबसे कम रोजगारी इसी तबके को मिलती है। दक्षिण एशिया, अफ्रीका देशों में हालत सबसे खराब है। लेकिन यूरोपीय देशों फ्रांस, जर्मनी,स्पेन, ब्रिटिश इटली, हंगरी,पोलैंड,चेकोस्लोवाकिया, यूक्रेन, रूस, डेनमार्क, नॉर्वे, फिनलैंड, ग्रीस, ऑस्ट्रिया, ऑस्ट्रेलिया,में मजदूर की हालत बहुत अच्छी है।चाइना में भी तकरीबन 50 करोड़ मजदूर है। जबकि अंगोला, नाइजीरिया, इथोपिया,में हालत खराब है।

बैसे तो देखा जाय तो समाज का यही तबका ऐसा है क्योंकि मजदूरों के बिना कोई कार्य नहीं हो सकता है चाहे वह शिक्षा से जुड़ा हो या चिकित्सा से । कारखाने, कृषि,जो भी उत्पादन के क्षेत्र में मजदूर ही प्रमुख है। मजदूरों के कुछ संगठित क्षेत्र है लेकिन असंगठित क्षेत्र में बहुत से मजदूर होते हैं जैसे निर्माण,टैक्सी चालक, रिक्शा चालक,रेडी वाला टांगें वाला, माइक वाला, खोमचे वाला इत्यादि।

1919 में रूसियों की क्रांति मजदूरों की ही क्रांति थी लेनिन, स्टालिन, शुरू आती नेता थे।

दरअसल मजदूरी प्रथा कोई नई नहीं है।जबसे समाज और निर्माण बना तब भी मजदूर थे ।भारत में राजा रजवाड़े के समय बेगारी की प्रथा थी लेकिन तब श्रमिक संगठित नहीं था।

कार्ल मार्क्स ने पूरी दुनिया को समाजवाद से साम्य बाद परिकल्पना की। उन्होंने कहा था कि पूरी दुनिया के मजदूर इकठ्ठे हो जाय और सत्ता पर कब्जा कर लिया जाए। रूसी क्रांति, यूरोप का रिवोल्यूशन,चाइना में माओ बाद उत्पन्न हुआ।

कार्लमाक्स का सिद्धांत है कि पूरी दुनिया के लोगों समानता रहनी चाहिए क्योंकि सब ने मनुष्यों में जन्म लिया है।इसी अवधारणा के चलते साम्य बाद का जन्म हुआ। कार्लमाक्स पूंजी बाद,राजशाही, कुलीनतंत्र, राजतंत्र के खिलाफ थे ।रूसी क्रांति के दौर में वहां के जार (राजा) की हत्या कर दी गई थी। इसी प्रकार चाइना में माओ के नेतृत्व में लॉन्ग मार्च कर 1949 में सत्ता का तख्ता पलट कर दिया गया था।

पोलैंड,चेकोस्लोवाकिया, हॉलैंड, सहित कई देशों में साम्यवाद स्थापित हुआ । सोवियत संघ इन देशों का अंतराष्ट्रीय स्तर पर अगुआ था। मजदूरों के पक्ष में कड़े नियम बढ़ाए गए। ट्रेड यूनियन की स्थापना हुई और कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना हुई कई स्थानों पर बात पार्टी भी नाम था।

लेकिन समय के साथ इन ट्रेड यूनियनों,ने सत्ता स्थापित कर वही कार्य किया। इनमें भी अवगुण पैदा होते गए।दूसरे जिम्मेदारी के अभाव के चलते पूंजीवाद के समक्ष इनके उत्पाद बाजार में ठहर नहीं सके ।1991 में सोवियत संघ का पतन हुआ और पूरे विश्व में पूंजीवाद का बोलबाला होता गया। चाइना ने उदारवादी व्यवस्था लागू कर दी।

पूंजीवाद में मजदूरों के हित सीमित कर दिए गए और ट्रेड यूनियनों को भंग कर दिया गया या सीमित कर दिया गया। अब रूस, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, ब्रिटिश, इटली, हंगरी, पोलैंड, चेकोस्लोवाकिया, यूक्रेन,में भी कैपिटलिज्म है।

पारिस्थितिकी बहाली का छत्तीसगढ़ मॉडल- बारनवापारा में काले हिरणों की वापसी

धनंजय राठौर, अशोक कुमार चन्द्रवंशी,

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में स्थित बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य (लगभग 245 वर्ग किमी) में काले हिरणों (ब्लैकबक) का सफलतापूर्वक पुनरुद्धार हुआ है

मन की बात से राष्ट्रीय क्षितिज तक का सफर- प्रायः सभी प्रकृति प्रेमियों का मानना है कि प्रकृति कभी भी अपना ऋण नहीं भूलती। यदि मनुष्य पूरी ईमानदारी से उसके संरक्षण की ओर एक कदम बढ़ाता है, तो प्रकृति उसे अपनी भव्यता से कई गुना वापस लौटाती है। छत्तीसगढ़ की पावन धरा, जो सदियों से अपनी नैसर्गिक संपदा और सघन वन क्षेत्रों के लिए विख्यात रही है, आज वन्यजीव संरक्षण के एक नए स्वर्णिम युग की ओर बढ़ रही है।

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में स्थित बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य (लगभग 245 वर्ग किमी) में काले हिरणों (ब्लैकबक) का सफलतापूर्वक पुनरुद्धार हुआ है, जहाँ इनकी संख्या अब 200 के करीब पहुँच गई है। 1970 के दशक में विलुप्त हो चुके इन हिरणों को 2018 की पुनरुद्धार योजना और 2026 तक के वैज्ञानिक प्रयासों से वापस लाया गया। हाल ही में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में जब बारनवापारा अभ्यारण्य के काले हिरणों की सफल वापसी का उल्लेख किया, तो यह केवल एक राज्य की उपलब्धि नहीं रही, बल्कि भारत के पर्यावरण मानचित्र पर वन्यजीव संरक्षण का एक नया अध्याय बन गई।

विजन भरा नेतृत्व और प्रतिबद्धता- इस गौरवमयी उपलब्धि के सूत्रधार छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय हैं। उन्होंने इस सफलता को राज्य की समृद्ध जैव विविधता और पर्यावरण के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतिफल बताया है। मुख्यमंत्री श्री साय का मानना है कि प्रधानमंत्री की सराहना केवल एक प्रशंसा नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के वन विभाग और वहां के स्थानीय समुदायों के कठिन परिश्रम पर लगी राष्ट्रीय मुहर है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ आज विकास और पारिस्थितिकी तंत्र के बीच उस दुर्लभ संतुलन को साध रहा है, जिसकी आज पूरे विश्व को आवश्यकता है।

वैज्ञानिक रणनीतिः विलुप्ति से पुनर्वास तक- बारनवापारा अभ्यारण्य में काले हिरणों का दिखाई देना एक समय दुर्लभ हो गया था। लेकिन वन मंत्री श्री केदार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री अरुण कुमार

पाण्डेय के रणनीतिक निर्देशन ने इस असंभव लक्ष्य को वास्तविकता में बदल दिया। फरवरी 2026 का महीना छत्तीसगढ़ के वन इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुआ, जब विशेषज्ञों की कड़ी निगरानी में 30 काले हिरणों को उनके प्राकृतिक आवास में सॉफ्ट रिलीज पद्धति से मुक्त किया गया। यह प्रक्रिया केवल उन्हें जंगल में छोड़ने तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि वे नए वातावरण में बिना किसी तनाव के रच-बस सकें। ब्लैकबक कंजर्वेशन सेंटर में बेहतर पोषण और वैज्ञानिक देखभाल से इनकी संख्या में वृद्धि हुई।

प्रशासनिक इच्छाशक्ति और मैदानी संघर्ष- इस महाअभियान के पीछे उन जांबाज अधिकारियों और मैदानी अमले की मेहनत है, जिन्होंने दिन-रात एक कर दिया। मुख्य वन संरक्षक (रायपुर) श्रीमती सतोविशा समाजदार और वनमंडलाधिकारी (बलौदाबाजार) श्री धम्मशील गणवीर के नेतृत्व में फील्ड स्टाफ, जीव वैज्ञानिकों और पशु चिकित्सकों की एक समर्पित टीम ने एक ढाल की तरह काम किया। वर्तमान में इन हिरणों की सुरक्षा के लिए हाई-टेक निगरानी प्रणाली, जीपीएस ट्रैकिंग और नियमित पेट्रोलिंग का उपयोग किया जा रहा है, जो छत्तीसगढ़ वन विभाग की तकनीकी दक्षता का प्रमाण है।

रामपुर ग्रासलैंडः- एक सुरक्षित भविष्य का पालना बारनवापारा अभ्यारण्य का यह मॉडल आज देश के अन्य राज्यों के लिए एक केस स्टडी बन सकता है। यहाँ केवल काले हिरण की प्रजाति का पुनर्वास नहीं हुआ, बल्कि उनके लिए एक संपूर्ण आवास तंत्र विकसित किया गया। रामपुर ग्रासलैंड का वैज्ञानिक प्रबंधन, प्राकृतिक जल स्रोतों का जीर्णोद्धार और घास की स्थानीय प्रजातियों का संवर्धन वे मुख्य कारक हैं, जिन्होंने काले हिरणों को वहां फलने-फूलने के लिए प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त, स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी ने मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व की एक अनूठी मिसाल पेश की है। काला हिरण (ब्लैकबक) भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाने वाला एक संकटग्रस्त मृग है। नर काले हिरण का रंग गहरा भूरा से काला होता है, उसके लंबे सर्पिलाकार सींग होते हैं और शरीर का निचला भाग सफेद होता है। मादा काले हिरण हल्के भूरे रंग की होती हैं और सामान्यतः उनके सींग नहीं होते। यह प्रजाति खुले घास के मैदानों में पाई जाती है और दिन के समय सक्रिय रहती है। इसका मुख्य आहार घास और छोटे पौधे होते हैं। इनकी ऊंचाई लगभग 74 से 84 सेंटीमीटर होती है। नर का वजन 20 से 57 किलोग्राम के बीच और मादाओं का 20 से 33 किलोग्राम तक होता है। नर काले हिरण की सर्पिलाकार सींगें, जो लगभग 75 सेंटीमीटर तक लंबी हो सकती हैं, इन्हें आसानी से पहचानने योग्य बनाती हैं।

भविष्य की राह और राष्ट्रीय संदेश- बारनवापारा अभ्यारण्य में गूंजती काले हिरणों की चहल-कदमी और उनकी कुलाचें इस बात का जीवंत साक्ष्य हैं कि यदि इंसान प्रकृति के प्रति अपनी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी समझ ले, तो खोई हुई धरोहर को फिर से लौटाया जा सकता है। यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए एक लिविंग लैबोरेटरी (जीवंत प्रयोगशाला) के रूप में कार्य करेगी, जहाँ वे प्रकृति के साथ तालमेल बिठाना सीख सकेंगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का मानना है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मन की बात ने हमारे नवाचारों को एक वैश्विक मंच प्रदान किया है। छत्तीसगढ़ सरकार पर्यावरण संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को जोड़कर एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर रही है, जहाँ मनुष्य और वन्यजीव दोनों सुरक्षित हों।आज जब हम बारनवापारा अभ्यारण्य की खुली वादियों में कुलाचें भरते काले हिरणों को देखते हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है कि प्रकृति स्वयं मुस्कुराते हुए छत्तीसगढ़ के इस सराहनीय प्रयास को अपना आशीर्वाद दे रही है। यह छत्तीसगढ़ के गौरव का वह उत्कर्ष है, जिसकी चमक अब पूरे देश को प्रेरित कर रही है।

लेखक संयुक्त संचालक, सहायक जनसंपर्क अधिकारी हैं

टिप्पणी

भारत ने कदम पीछे खींच लिए हैं?

कॉप-33 की मेजबानी से भारत ने इनकार कर दिया है। यह निर्णय रहस्यमय लगता है, क्योंकि मेजबानी पाने की पहल खुद प्रधानमंत्री ने की थी। उसके बाद आखिर ऐसा क्या बदल गया, जिस कारण भारत ने कदम पीछे खींच लिए हैं?

जिस समय अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में भारत के अलग-थलग पड़ने से देशवासियों में व्यग्रता गहराई है, नरेंद्र मोदी सरकार ने फिर एक फैसला लिया है, जिसका भारत की वैश्विक छवि पर खराब पड़ेगा। भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन पर संबंधित पक्षों के सम्मेलन (कॉप-33) की मेजबानी से इनकार कर दिया है। यह निर्णय रहस्यमय भी लगता है, क्योंकि इसकी मेजबानी पाने की पहल खुद प्रधानमंत्री ने की थी। 2023 में दुबई में हुए कॉप-28 के दौरान उन्होंने ये की पेशकश की, जिसे तुरंत स्वीकार कर लिया गया था।

मुद्दा है कि उसके बाद आखिर ऐसा क्या बदल गया, जिस कारण भारत ने 2028 में तय सम्मेलन की मेजबानी से कदम पीछे खींच लिए हैं? अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बदलाव यह आया कि डॉनल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका जलवायु परिवर्तन से संबंधित संयुक्त राष्ट्र की प्रक्रियाओं से अलग हो गया। दरअसल, ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन संबंधी वैज्ञानिकों की सोच को एक धोखा बता रखा है। उन्होंने 'ड्रिल बेबी ड्रिल'ड के नारे के तहत जीवाश्म ऊर्जा का प्रचलन बढ़ाने की मुहिम छेड़ रखी है। क्या वॉशिंगटन में आए इस बदलाव से भारत सरकार प्रभावित हुई है? इससे जुड़ा सवाल यह भी उठेगा कि क्या 2023 में भारत ने मेजबानी इसलिए मांगी थी, क्योंकि क्लाइमेट एजेंडे को आगे बढ़ाना अमेरिका के तत्कालीन जो. बाइडेन प्रशासन की प्राथमिकता थी?

भारत सरकार को ऐसी धारणाओं को तोड़ने का सायास प्रयास करना चाहिए। अभी जबकि ट्रंप की विज्ञान विरोधी अभियानों से दुनिया भर में अमेरिका के सॉफ्ट पॉवर में तेजी से ह्रास हो रहा है, ये सही वक्त है जब भारत जैसा देश ऐसे प्रयासों में अधिक दिलचस्पी लेकर अपनी वैश्विक छवि एवं हैसियत को ऊंचा उठाए। मोदी के बारे में धारणा है कि वे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मौजूदगी के लिए उत्साहित रहते हैं। फिर भी इस मामले में भारत सरकार ने विपरीत कदम उठाया है। स्पष्टतः ऐसा कर वह वैश्विक चिंताओं की आवाज बनने का मौका गवां रही है। साथ ही ऐसे कदमों से ऐसी धारणाओं को भी बल मिल रहा है कि भारत अमेरिका का पिछलग्गू बनता जा रहा है।

ब्लॉग

धर्म शासित ईरान की सामरिक-आक्रामक तैयारी व बढ़ती सैन्य क्षमता गैर इस्लामिक देशों के लिए नसीहत है, कैसे?

कमलेश पांडे

भारत के निकटम पड़ोसी देश ईरान की सामरिक और आक्रामक तैयारी पूरी भारत-इजरायल समेत पूरी दुनिया के लिए नसीहत बन गई है, क्योंकि उसने सीमित संसाधनों और भारी पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद "असममित युद्ध" (Asymmetric Warfare) की ऐसी क्षमता विकसित कर ली, जिसने अमेरिका, इजराइल और पश्चिमी सैन्य गठबंधनों को भी नई रणनीति बनाने और उससे आगे की सोचने पर मजबूर कर दिया है। यदि समय रहते इसकी काट विकसित नहीं की गई, तो अरब देशों पर अमेरिका के बाद चीन की पकड़ मजबूत होगी, क्योंकि उसके साथ ईरान का सहयोगी रूस भी खड़ा है।

वहीं, इस्लामिक मुल्क के नाम पर मुस्लिम देशों का अंदरूनी झुकाव भी उसकी ओर है, जिससे रूसी मित्रता और चीनी छल की चक्की में भारत के पिसने के आसार प्रबल हैं। अनुभव बताता है कि ईरान अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान और अफगानिस्तान पर ज्यादा भरोसा करता है और इस्लामिक नाटो का पक्षधर भी है, इसलिए ईरान के मामले में भारत की जरा सी रणनीतिक लापरवाही उसे चीनी चक्रब्यूह में घिरे अभिमन्यु वाली कर देगी, क्योंकि भारत की हिन्दू विरोधी मुस्लिम राजनीति के आर्थिक स्रोत भी इस्लामिक मुल्कों से ही जुड़े बताए जाते हैं।

पहले ईरान से भारत-इजरायल समेत शेष दुनिया को मिलने वाली प्रमुख सामरिक सीखें निम्नलिखित हैं—

पहला, आत्मनिर्भर सैन्य उत्पादन सबसे बड़ी ताकत है क्योंकि ईरान ने दशकों के प्रतिबंधों के बावजूद अपने मिसाइल, ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तंत्र को घरेलू स्तर पर विकसित किया। आज उसके पास मध्य-पूर्व का सबसे बड़ा बैलिस्टिक मिसाइल भंडार माना जाता है। चूंकि वहां के लोग ज्यादा पढ़े लिखे होते हैं और ईरान ने लोकतंत्र की बजाय समानांतर कट्टर धार्मिक तंत्र विकसित कर लिया, जिससे भारत को अवश्य सीखने की जरूरत है। क्योंकि ईरान की इस नीति का संदेश स्पष्ट है- "जो देश रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर होगा, वही लंबे संघर्ष में टिकेगा।"

दूसरा, ड्रोन युद्ध ने युद्ध की परिभाषा ही बदल दी है, क्योंकि ईरान ने कम लागत वाले ड्रोन को "रणनीतिक हथियार" बना दिया। उसने दिखाया कि हजारों करोड़ की एयर डिफेंस प्रणाली को सस्ते ड्रोन झुंड (swarm) से भी चुनौती दी जा सकती है। इसलिए आज अमेरिका तक स्वीकार कर रहा है कि महंगे इंटरसेप्टर मिसाइलों के मुकाबले सस्ते ड्रोन "Cost Imbalance" पैदा कर रहे हैं।

तीसरा, युद्ध केवल हथियार नहीं, "धैर्य" से

जीता जाता है, यही बात ईरान ने दुनिया को सिखलाया है। जिस तरह से उसने अमेरिका-इजरायल के यौद्धिक गुरूर को तोड़ा है, वह शोध का विषय है, क्योंकि रूस-चीन के नैतिक मदद से उसने यह सफलता हासिल की है। ईरान ने प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक "लंबी थकाऊ लड़ाई" (War of Attrition) की रणनीति अपनाई। उसका उद्देश्य तत्काल जीत नहीं, बल्कि विरोधी की आर्थिक, सैन्य और मनोवैज्ञानिक क्षमता को थकाना रहा। यह आधुनिक युद्ध की नई वास्तविकता है— "हर युद्ध Blitzkrieg नहीं होता; कई युद्ध विरोधी को थकाकर जीते जाते हैं।"

चौथा, कमांड सिस्टम का बैकअप अत्यंत जरूरी होता है, ताकि भारी हमलों और शीर्ष कमांडरों के मारे जाने के बावजूद ईरान का सैन्य कमांड ढांचा पूरी तरह ध्वस्त नहीं हुआ। उसने पहले से वैकल्पिक नेतृत्व और विकेंद्रीकृत कमांड संरचना तैयार कर रखी थी। यह हर राष्ट्र के लिए बड़ा संदेश है कि—"युद्ध में नेतृत्व का विकल्प पहले से तैयार होना चाहिए।"

पांचवां, मिसाइल, ड्रोन और प्रॉक्सी का संयुक्त मॉडल ही ईरानी सफलता का सूत्र है, क्योंकि ईरान ने केवल अपनी सेना पर निर्भर रहने के बजाय क्षेत्रीय नेटवर्क तैयार किया— हिजबुल्लाह, हूती और अन्य सहयोगी समूहों के माध्यम से उसने बहु-स्तरीय दबाव बनाया। यह "Hybrid Warfare" का आधुनिक मॉडल है।

छठा, समुद्री मार्गों पर नियंत्रण की शक्ति विकसित करके आक्रमणकारियों को तोड़ना ईरानी दूरदर्शिता का ही तकाजा है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का प्रभाव पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करता है। इसी कारण अमेरिका और पश्चिम लगातार उस क्षेत्र में सैन्य उपस्थिति बढ़ाते रहे हैं। इससे यह सिद्ध होता है— "भूगोल भी उतना ही बड़ा हथियार है जितना मिसाइल।"

सातवां, तकनीकी युद्ध में सस्ता हथियार भी निर्णायक होता है, यह ईरान ने साबित कर दिया है। ईरान ने दिखाया कि हर युद्ध अत्याधुनिक स्टील्थ फाइटर से नहीं जीता जाता। कभी-कभी सस्ती, तेज और बड़ी संख्या में उपलब्ध तकनीक अधिक प्रभावी होती है।

निष्कर्षतः ईरान की तैयारी गैर इस्लामिक दुनिया को यह सिखाती है कि आधुनिक युद्ध केवल परमाणु बम या महंगे लड़ाकू विमानों से नहीं लड़े जाते। आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन, ड्रोन तकनीक, मिसाइल क्षमता, साइबर-रणनीति, वैकल्पिक नेतृत्व और मनोवैज्ञानिक युद्ध—ये सब मिलकर किसी राष्ट्र को सामरिक शक्ति बनाते हैं। इसीलिए आज अमेरिका, इजराइल, रूस, चीन और भारत समेत दुनिया की बड़ी सैन्य शक्तियां भी "ईरानी मॉडल" का गंभीर अध्ययन कर रही हैं।

एक बात और, ईरान के सामरिक मॉडल से भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि केवल पारंपरिक सैन्य शक्ति पर्याप्त नहीं होती; दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए "बहुस्तरीय राष्ट्रीय प्रतिरोध क्षमता" विकसित करनी पड़ती है। विशेषकर तब, जब भारत को दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद, कट्टरपंथ और चीन-पाकिस्तान जैसे सामरिक गठबंधनों का सामना करना पड़ रहा हो।

हालांकि यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि "इस्लामिक देश" एक समान इकाई नहीं हैं। भारत के कई इस्लामी देशों—जैसे संयुक्त अरब अमीरात (UAE), सऊदी अरब, इंडोनेशिया और कतर— से मजबूत रणनीतिक और आर्थिक संबंध हैं। भारत की मुख्य सुरक्षा चुनौती कुछ कट्टरपंथी नेटवर्क, आतंकवादी संरचनाओं और शत्रुतापूर्ण राज्य-नीतियों से रही है, न कि सम्पूर्ण इस्लामी विश्व से।

भारत के लिए प्रमुख सबक इस प्रकार हैं—

पहला, आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन ही निर्णायक सुरक्षाः ईरान ने प्रतिबंधों के बावजूद अपने ड्रोन, मिसाइल और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तंत्र विकसित किए। भारत के लिए इसका अर्थ है कि विदेशी हथियारों पर अत्यधिक निर्भरता घटानी होगी। "आत्मनिर्भर भारत" को केवल नारा नहीं, बल्कि युद्धकालीन औद्योगिक क्षमता बनाना होगा।

दूसरा, सस्ते ड्रोन बनाम महंगी सुरक्षाः ईरान ने दिखाया कि कम लागत वाले ड्रोन भी महंगी एयर डिफेंस प्रणाली को चुनौती दे सकते हैं। भारत को सीमा सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी अभियानों और समुद्री निगरानी के लिए बड़े पैमाने पर स्वदेशी ड्रोन नेटवर्क बनाना होगा।

तीसरा, "मोज़ेक डिफेंस" मॉडलः ईरान की विकेंद्रीकृत सैन्य संरचना—जहां शीर्ष नेतृत्व पर हमला होने के बाद भी स्थानीय इकाइयाँ लड़ती रहती हैं—भारत के लिए महत्वपूर्ण संकेत है। भारत को भी साइबर, सीमा, वायु और समुद्री मोर्चों पर ऐसी बहुस्तरीय कमांड संरचना विकसित करनी होगी जो अचानक हमले में भी सक्रिय रहे।

चौथा, केवल सीमा नहीं, "मनोवैज्ञानिक युद्ध" भीः आधुनिक संघर्ष अब केवल बंदूक और मिसाइल का नहीं, बल्कि सूचना और नैरेटिव का भी है। भारत को फेक न्यूज़, साइबर-प्रोपेगेंडा और धार्मिक कट्टरता आधारित डिजिटल अभियानों से निपटने के लिए राष्ट्रीय सूचना सुरक्षा ढांचा मजबूत करना होगा।

पांचवां, लंबी लड़ाई की तैयारीः ईरान ने दिखाया कि "War of Attrition" यानी विरोधी को धीरे-धीरे थकाना भी रणनीति हो सकती है। भारत को सीमित अवधि के युद्ध की सोच से आगे जाकर लंबे संघर्ष, आपूर्ति शृंखला और गोला-बारूद भंडारण की तैयारी करनी होगी।

छठा, ऊर्जा सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा हैः यदि पश्चिम एशिया में बड़ा युद्ध होता है, तो भारत की तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इसलिए सामरिक तेल भंडार, वैकल्पिक ऊर्जा और समुद्री मार्ग सुरक्षा भारत के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

सातवां, "संयुक्त युद्ध" की तैयारीः आज युद्ध भूमि, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं है; साइबर, स्पेस और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र भी युद्धक्षेत्र बन चुके हैं। भारत को थिएटर कमांड, AI आधारित निगरानी और संयुक्त सैन्य संचालन को तेज करना होगा।

आठवां, राष्ट्रीय एकता सबसे बड़ी सुरक्षाः ईरान के उदाहरण से यह भी स्पष्ट हुआ कि बाहरी दबाव के समय आंतरिक सामाजिक एकता निर्णायक होती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण राष्ट्र में सांप्रदायिक विभाजन, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सामाजिक अविश्वास राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर कर सकते हैं।

निष्कर्षतया यह कहा जा सकता है कि भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि भविष्य का युद्ध केवल सेना नहीं, बल्कि पूरा राष्ट्र लड़ता है— तकनीक, अर्थव्यवस्था, साइबर क्षमता, ऊर्जा सुरक्षा, सामाजिक एकता और मनोवैज्ञानिक दृढ़ता—सब मिलकर राष्ट्रीय शक्ति बनाते हैं। ईरान ने दुनिया को यह दिखाया कि सीमित संसाधनों वाला राष्ट्र भी यदि आत्मनिर्भर, संगठित और रणनीतिक रूप से धैर्यवान हो, तो वह कहीं बड़ी शक्तियों को भी लंबे समय तक चुनौती दे सकता है।

सिर पर प्रहार और गर्दन पर चोट के निशान, पोस्टमार्ट में खुलासा, पहले महिला और फिर चारों बच्चों का किया कत्ल

आर्यावर्त संवाददाता

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर के अकबरपुर के मीरानपुर मुरादाबाद मोहल्ले में घर से करीब 100 मीटर दूर नाले में मिले गासिया खातून के शव का पोस्टमॉर्टम सोमवार सुबह करीब चार बजे हुआ। पोस्टमॉर्टम में बच्चों की तरह ही गासिया के सिर पर भी किसी कुंद वस्तु के प्रहार से मौत होने की पुष्टि हुई है।

हत्या शुक्रवार रात 12 से दो बजे के बीच होने की बात सामने आ रही है। उसकी गर्दन के पिछले हिस्से में भी चोट का निशान है। सनसनीखेज हत्याओं और एनकाउंटर के बाद से मीरानपुर की गलियों में मातमी सन्नाटा पसरा है। पैतृक गांव कसड़ा में गम और गुस्से का माहौल है।

सोमवार सुबह डॉ. गौरी पांडेय, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव के पैनल ने गासिया खातून के शव का पोस्टमॉर्टम

किया। इससे पहले पुलिस को पंचनामा भरवाने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी। रविवार शाम को महिला का शव मिलने के बाद नियाज के भाई सलीम, मुबारक और गासिया के भाई वजीर अहमद, बहन राबिया व अन्य लोग कोतवाली पहुंचे और गासिया के शव को दिखाने की मांग की।

ठीक इसी समय एडीजी का दौरा होने के कारण परिजनों की कोई सुनवाई नहीं हो सकी तो वे सभी वापस लौट गए। रात करीब 11 बजे पुलिस ने गासिया के शव का पंचनामा कराने के लिए परिजनों से संपर्क किया।

परिजनों को अकबरपुर आने के लिए कहा गया, लेकिन मना करने पर रात करीब दो बजे पुलिस टीम कसड़ा गांव पहुंची। काफी मान-मनौवल के बाद परिजनों ने पंचनामा दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद पोस्टमॉर्टम शुरू हो सका।

वहीं, दूसरी ओर कसड़ा गांव के लोगों के चेहरों पर गम साफ दिखा। परिजनों के अलावा ग्रामीण अपने चार बच्चों व उनकी मां गासिया की मौत के भी गम में डूबे हुए हैं। चार सगे भाई-बहनों और उनकी मां की हत्या ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। उधर, आमिर के मीरानपुर कसाईवाड़ा स्थित घर की गली और नियाज के मीरानपुर मुरादाबाद स्थित घर की गलियों में भी मातमी खामोशी छाई रही।

पहले महिला और फिर बच्चों का किया कत्ल : एसपी

एसपी प्राची सिंह ने बताया कि आमिर का महिला व उसके बच्चों से अक्सर विवाद होता था। शुक्रवार रात आमिर महिला के घर पहुंच गया और कहासुनी के दौरान पहले महिला के सिर पर सिलबट्टे से प्रहार कर दिया। फिर बच्चों का बेरहमी से कत्ल किया गया।

इसके बाद महिला को बालकनी से नीचे फेंका और यहां से उठाकर नाले में फेंक दिया था। आमिर के पास से पिस्टल, कारतूस के अलावा महिला के सोने के कुंडल और चांदी की करधनी व बाइक बरामद हुई है।

आमिर को हत्या के मामले में किशोर न्याय बोर्ड से सजा हो चुकी है। महिला से दुष्कर्म और हत्या के प्रयास में अगस्त 2024 में मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था। इस मामले में करीब छह माह पहले जमानत हुई थी। इसके अलावा गोहत्या का भी मामला दर्ज है।

एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष पहुंचे कसड़ा

ग्राम कसड़ा में सोमवार शाम को एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष हाजी शौकत अली ने परिवार के लोगों से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरी पार्टी परिवार के साथ खड़ी है और उनके दुख को अपना दुख समझती है।

घटना की कड़ी निंदा करते हुए प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदेश सचिव मुराद अली, जिला अध्यक्ष गुलाम दस्तगीर अंसारी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

यह था पूरा मामला

गौरतलब है कि सऊदी अरब में काम करने वाले नियाज के चार बच्चों की शनिवार को हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद मां गासिया लापता थी और उसे ही आरोपी माना जा रहा था। लेकिन रविवार को उसका भी शव घर 100 मीटर दूर नाले में मिला था। जिसके बाद जांच का रुख बदला और आमिर की तलाश शुरू हुई।

मेडिकल कॉलेज निर्माण में 4 लाख की धोखाधड़ी, कोर्ट के आदेश पर तीन कंपनियों पर केस दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्य में 4 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। भुगतान न मिलने से परेशान ठेकेदार ने न्यायालय की शरण ली, जिसके बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के आदेश पर पुलिस ने तीन निर्माण कंपनियों के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कोतवाली नगर क्षेत्र के सीताकुंड निवासी मुकेश प्रताप सिंह ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनकी फर्म मुकेश कंस्ट्रक्शन ने दुबेपुर स्थित मेडिकल कॉलेज निर्माण में गिट्टी, मोरंग की सप्लाई और जेसीबी से खुदाई का काम किया था। यह काम यूनिक इन्फ्रा इंजीनियरिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पीसीपी प्रोटेक्ट लिमिटेड और यूनिक हाउस के प्रोजेक्ट के तहत किया गया था।

पीड़ित का आरोप है कि काम पूरा होने के बावजूद कंपनियों ने करीब 4 लाख रुपये का भुगतान नहीं किया। कई बार मांग करने पर भी उन्हें सिर्फ आश्वासन मिलता रहा और भुगतान टाल दिया गया। प्राथमिकी के अनुसार मेडिकल कॉलेज का निर्माण पूरा हो चुका है और इसे सरकार को सौंप दिया गया है। यहां कक्षाएं भी शुरू हो चुकी हैं, लेकिन ठेकेदार का बकाया अब तक नहीं चुकाया गया है। मुकेश प्रताप सिंह का कहना है कि कंपनी के अधिकारियों ने साजिश के तहत उनकी रकम हड़प ली। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने यूनिक हाउस के साइड इंचार्ज अमित यादव, पीसीपी प्रोटेक्ट लिमिटेड (उदयपुर) के मैनेजर और यूनिक इन्फ्रा इंजीनियरिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक के खिलाफ केस दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि इससे पहले पीड़ति ने पुलिस अधीक्षक को भी शिकायत दी थी।

संक्रामक बीमारियों से बचने के लिए हाथों को सही तरीके से धोना जरूरी : डॉ. दिव्या वर्मा

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। विश्व हाथ स्वच्छता दिवस पर मंगलवार को जनपद की स्वास्थ्य इकाइयों और स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर हाथों की स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया व केनव्यू के सहयोग से 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के तहत आयोजित इन जागरूकता कार्यक्रमों में स्वास्थ्य कर्मियों, स्कूली बच्चों , शिक्षकों आदि ने भाग लिया।

शहरी स्वास्थ्य केंद्र गौशाला और पटेल कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय रामलीला टीला रोड़ में उपस्थित बच्चों को हाथों की स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। बच्चों को हाथों को सही तरीके से धोने के बारे में प्रदर्शन कर बताया गया। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिव्या वर्मा ने बच्चों को

बताया कि डायरिया समेत कई संक्रामक बीमारियों से बचने के लिए हाथों को धोना ही पर्याप्त नहीं होता बल्कि सही तरीके से हाथों को धोना जरूरी होता है। पीएसआई इंडिया की भारती रावत ने S U M A N K (सुमन-के) के बारे में बच्चों को सरल तरीके से समझाया ताकि वह इन छह चरणों को अपनाकर हाथों की सही स्वच्छता के लिए सक्षम बन सकें। यह छह चरण हैं – S (एस) -साबुन-पानी से झाग बनाने के बाद पहले सीधी हथेलियों को बारी-बारी से घिसें, U(यू) - उल्टी तरफ हाथों को बारी-बारी से घिसें, M (एम)- मुट्ठी बंदकर हाथों को अच्छी तरह घिसें, A (ए)- अंगूठों को अच्छी तरह से रगड़ें, N (एन) - नाखूनों को अच्छी तरह से साफ़ करें, K (के)- कलाइयों को भी ठीक से रगड़ें। इसका अभ्यास भी बच्चों से कराया गया। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. अल्का ने कहा कि इस तरह इन छह चरणों को अपनाकर डायरिया समेत कई संक्रामक बीमारियों को मात दिया जा सकता है। इसकी आदत बचपन से ही विकसित की जाए तो आगे चलकर भी यह सदा के लिए बनी रहती है। बच्चों की देखभाल से पहले, मरीजों की सेवा से पहले और बाद में, खाना बनाने या खाने से पहले, शौचालय का उपयोग करने के बाद, खांसने, छींकने या नाक साफ़ करने के बाद, कचरा उठाने या किसी गन्दी सतह को छूने के बाद, जानवरों या पालतू जानवरों को छूने के बाद हाथों को साबुन-पानी से कम से कम 20 सेकंड तक सही तरीके से अवश्य धोएं। इस अवसर पर सभी बच्चों द्वारा हमेशा स्वच्छता को अपनाने की शपथ भी ली गई इस अवसर पर शहरी स्वास्थ्य केंद्र गौशाला की चिकित्सा अधिकारी डॉ. जरीन मतीन, विद्यालय की प्राचार्य आयशा, पीएसआई इंडिया से शोभित सक्सैना आदि मौजूद रहे।

अंबेडकरनगर हत्याकांड : एनकाउंटर में मारे गए आमिर के शव को परिजनों ने लेने से किया इनकार, पड़ोसियों ने दी धमकी

आर्यावर्त संवाददाता

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर में एनकाउंटर में मारे गए चार बच्चों व महिला की हत्या के दोषी आमिर के परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया है। मीरानपुर के कसाईबाड़ा के आमिर के पिता जान मोहम्मद की 10 साल पूर्व मौत हो चुकी है। मां के अलावा तीन भाई हैं। तीन अविवाहित बहनें हैं और एक की मौत हो चुकी है। पूरा परिवार मांस बिक्री का काम करता है। भाई सैफी, चाचा ताज मोहम्मद समेत परिवार के अन्य लोगों ने इस जघन्य वारदात में आमिर की भूमिका सामने आने के बाद शव की सुपुर्दगी लेने से इनकार कर दिया है।

बताया जा रहा है कि पास-पड़ोसियों ने शव का अंतिम संस्कार करने वाले का सामाजिक बहिष्कार करने की भी चेतावनी दी है। इसकी गोपनीय सूचना मिलने के बाद एसपी प्राची सिंह ने एलआईयू और स्थानीय पुलिस को सक्रिय कर दिया है। इंस्पेक्टर श्रीनिवास पांडेय परिजनों को समझाने पर परिजन माने और देर रात

शव की सुपुर्दगी ली गई। इसके बाद शहजादपुर इमामबाग कब्रिस्तान में आमिर के शव को ले जाया गया जिसे लोगों ने दफनाने से मना कर दिया। इसके बाद जौहरी डीह में शव को दफन कराया गया।

इस तरह जघन्य वारदात को दिया अंजाम

एसपी प्राची सिंह ने बताया कि आमिर का महिला व उसके बच्चों से अक्सर विवाद होता था। शुक्रवार रात आमिर महिला के घर पहुंच गया और कहासुनी के दौरान पहले महिला के सिर पर सिलबट्टे से प्रहार कर दिया। फिर बच्चों का बेरहमी से कत्ल किया गया। इसके बाद महिला को बालकनी से नीचे फेंका और यहां से उठाकर नाले में फेंक दिया था। आमिर के पास से पिस्टल, कारतूस के अलावा महिला के सोने के कुंडल और चांदी की करधनी व बाइक बरामद हुई है। आमिर को हत्या के मामले में किशोर न्याय बोर्ड से सजा हो चुकी है। महिला से दुष्कर्म और हत्या के प्रयास में अगस्त 2024 में मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था। इस मामले में करीब छह माह पहले जमानत हुई थी। इसके अलावा गोकशी का भी मामला दर्ज है।

कलेक्ट्रेट में भ्रष्टाचार और भेदभाव के आरोप, डीएम को सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। बहुजन अधिकार सेना के जिलाध्यक्ष एडवोकेट शैलेश गौतम ने मंगलवार को जिलाधिकारी को एक ज्ञापन देकर प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। ज्ञापन में कलेक्ट्रेट और तहसील परिसर में भ्रष्टाचार, जातिगत भेदभाव और नियमों की अनदेखी के आरोप लगाए गए हैं। ज्ञापन के अनुसार कलेक्ट्रेट में तैनात नायब नाजिर अल्लेंद्र सिंह पर लंबे समय से पद का दुरुपयोग करने, स्थानांतरण प्रक्रिया को प्रभावित करने और अपना प्रभाव बनाए रखने के आरोप हैं। वहीं अयोध्या मंडल से नियुक्त विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) हरदेव सिंह के साथ जातिगत भेदभाव किए जाने और उन्हें उनके पद के अनुरूप जिम्मेदारियां न दिए जाने की बात भी सामने आई है। इसके अलावा ज्ञापन में स्थानांतरण नीति के उल्लंघन का मुद्दा उठाया गया है। शासन के नियमों के तहत कर्मचारियों का समय-समय पर स्थानांतरण आवश्यक होता है, लेकिन कुछ प्रभावशाली कर्मचारी केवल औपचारिक बदलाव कर अपने नियंत्रण को बनाए रखते हैं, जिससे रोटेशन प्रणाली प्रभावहीन हो रही है। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि होमगार्ड जवानों का इस्तेमाल सरकारी सुरक्षा के बजाय निजी कार्यों में किया जा रहा है। साथ ही, कुछ कर्मचारियों द्वारा अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करने की बात भी कही गई है। शैलेश गौतम ने इन सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए विजिलेंस या एसआईटी जैसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की अपील की है। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों की संपत्ति, आय के स्रोत और कॉल डिटेल की भी जांच कराने की मांग रखी है। बहुजन अधिकार सेना ने दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी और विभागीय कार्रवाई की मांग करते हुए लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे कर्मचारियों के निष्पक्ष स्थानांतरण की भी अपील की है।

जिसे किया शादी के लिए प्रपोज वो निकली पत्नी : इंस्टाग्राम पर बीवी को पहचान नहीं पाया पति, मंदिर में खुला राज

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज के दारागंज क्षेत्र में शनिवार को एक अनोखा मामला सामने आया, जहां एक पति अपनी ही पत्नी को इंस्टाग्राम पर पहचान नहीं पाया और दूसरी शादी करने के लिए तैयार हो गया। मामला उस समय उजागर हुआ जब दोनों की मुलाकात नागवासुकि मंदिर के पास हुई।

पत्नी को पहचानते ही पति ने धमकी देते हुए हंगामा शुरू कर दिया। दारागंज थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। जानकारी के अनुसार, नवाबगंज थाना क्षेत्र निवासी महिला की शादी करीब नौ वर्ष पूर्व प्रतापगढ़ के रहने वाले युवक से हुई थी।

आरोप है कि पति और ससुराल पक्ष की ओर से प्रताड़ित किए जाने के बाद वह पिछले चार वर्ष से मायके में रह रही है। महिला की एक पांच

वर्षीय बेटी भी है। महिला ने बताया कि उसने इंस्टाग्राम पर एक नई आईडी बनाई, जिस पर उसका पति जुड़ गया।

पति ने उसे कोई और युवती समझकर बातचीत शुरू की और बाद में शादी का प्रस्ताव भी दे दिया। आरोप है कि वह बार-बार होटल में मिलने का दबाव बना रहा था, लेकिन महिला के मना करने पर मंदिर में मिलने के लिए राजी हुआ। शनिवार दोपहर करीब दो बजे दारागंज स्थित नागवासुकि मंदिर में दोनों की मुलाकात तय हुई। पति अपने एक मित्र के साथ वहां पहुंचा, जबकि महिला अपने परिजनों के साथ पहले से मौजूद थी।

पत्नी को पहचानते ही पति भड़क गया और मारपीट करते हुए मौके से भागने की कोशिश की। इस दौरान उसने पत्नी और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। हंगामा बढ़ता देख मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पीड़िता का आरोप है कि पति उसके रहते दूसरी शादी की योजना बना रहा था।

चेहरे पर दुपट्टा बांध, चश्मा लगाकर मिलने पहुंची थी

चेहरे पर दुपट्टा बांध व आंखों पर चश्मा लगाकर महिला अपने पति से मिलने पहुंची थी। महिला ने पहले चेहरा ढक कर बातचीत की और बाद में अपनी पहचान उजागर कर दी। दारागंज थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्र ने बताया कि महिला की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जांच की जा रही है।

शिक्षामित्रों को बढ़े मानदेय का बटा चेक, किया गया सम्मानित

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। कलेक्ट्रेट परिसर के नवीन सभागार में शिक्षामित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधान परिषद सदस्य शैलेन्द्र प्रताप सिंह, भाजपा विधायक विनोद सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष ऊषा सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, ब्लॉक प्रमुख शिव कुमार सिंह, जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह, मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह ने किया। प्रदेश के 1.43 लाख शिक्षामित्रों को 10 हजार की जगह 18 हजार बढ़ा हुआ मानदेय अप्रैल माह से लागू हो चुका है और इसका लाभ सीधे शिक्षामित्रों को मिलेगा। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और अतिथि स्वागत के साथ हुई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का सजीव प्रसारण किया गया। प्रदेश स्तर पर शिक्षामित्रों को सम्मानित किया जा रहा हैं। भाजपा विधायक विनोद सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजनों से शिक्षामित्रों का मनोबल बढ़ता हैं।जिले में लगभग 2150 शिक्षामित्र कार्यरत हैं, जिन्हें इस अवसर पर सम्मानित किया गया। इससे बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यक्रम से सकारात्मक संदेश जाएगा और जिले की शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर मौजूद विधायक और एमएलसी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने शिक्षामित्रों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वे शिक्षा व्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं और उनके प्रयासों से प्राथमिक शिक्षा को मजबूती मिल रही है। समारोह के दौरान कुछ चयनित शिक्षामित्रों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया और उन्हें प्रतीकात्मक रूप से डेमो चेक भी प्रदान किए गए।

'पापा, दोपहर तक लौट आऊंगा', आखिरी बातचीत बन गई जिंदगी भर का दर्द; तेज रफ्तार और झपकी ने लील लीं जिंदगियां

आर्यावर्त संवाददाता

जालौन। कथा वाचक मनोज भोडले की पिता ओमप्रकाश भोडले से फोन पर बात हुई थी। उस दौरान उन्होंने कहा था- पापा, दोपहर तक घर पहुंच जाऊंगा। परिवार उनके इंतजार में बैठा रहा, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। दोपहर तक लौटने का वादा करने वाला बेटा कभी घर नहीं पहुंच सका। घर में हर कोई बस यही कहता नजर आ रहा है- काश वह फोन कॉल आखिरी न होती।

कालपी में हुए भीषण सड़क हादसे में जान गंवाने वाले देशराज की आखिरी बातचीत भी अब परिवार के लिए दर्द बन गई है। बताया गया कि रविवार रात करीब 11 बजे देशराज की अपने भाई लक्ष्मी प्रसाद से फोन पर बात हुई थी। उन्होंने बताया था कि अयोध्या में प्रतिमा विसर्जन हो चुका है और कुछ ही देर में सभी लोग

वापस लौट रहे हैं। परिजनों को क्या पता था कि यह बातचीत आखिरी साबित होगी।

पेट्रोल पंप से पुलिस ने पकड़ा डंपर

कालपी क्षेत्र में हुए सड़क हादसे के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डंपर चालक को पकड़ लिया है। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भाग गया था। पुलिस ने तलाश शुरू की और कुछ ही समय में एक पेट्रोल पंप के पास डंपर को पकड़ लिया। वाहन को कब्जे में लेकर पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद डंपर में लगा बंपर टूट गया था। इसके बाद चालक ने डंपर को पेट्रोल पंप पर खड़ा कर दिया था। वह करीब दो घंटे तक वहां खड़ा रहा, लेकिन जैसे ही वह आगे बढ़ा तो पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

फिर दोहराया इतिहास: तेज रफ्तार और झपकी ने लील लीं जिंदगियां

जालौन और आसपास के क्षेत्रों में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। हालिया हादसे के बाद एक बार फिर पुराने हादसे लोगों को याद आ गए हैं। 7 मई 2025 को भी झांसी-कानपुर हाईवे पर एक भीषण हादसा हुआ था, जब तेज रफ्तार कार चला रहे डॉक्टर को झपकी आ गई थी। कार डिवाइडर से टकराकर दूसरी लेन में पहुंच गई और सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि तेज रफ्तार और झपकी सड़क हादसों के सबसे बड़े कारण बनते जा रहे हैं। ताजा हादसे में भी लोगों के बीच यही चर्चा है कि अगर सावधानी बरती जाती, तो शायद इतनी बड़ी जनहानि टाली जा सकती थी। घटना स्थल से मेडिकल कॉलेज तक तीन घंटे रहे डीएम व एसपी

उरई हादसे की जानकारी अधिकारियों को करीब छह बजे हो गई थी। जानकारी के बाद डीएम राजेश कुमार पांडेय, एसपी विनय कुमार सिंह के साथ मौके पर पहुंचे और वहां घायल चार लोगों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया।

जब घायल मेडिकल कॉलेज आ गए तो वह भी पुलिस फोर्स के साथ मेडिकल कॉलेज पहुंचे और उपचार के दौरान करीब दो घंटे तक मेडिकल कॉलेज में खड़े रहे। जब डॉक्टर ने चारों को कानपुर ले जाने की सलाह दी तो वह एंबुलेंस से उन्हें भिजवाकर निकल गए। अयोध्या से प्रतिमा विसर्जित कर ललितपुर जा रहे श्रद्धालुओं की तेज रफ्तार कार सोमवार सुबह कालपी में आगे जा रहे डंपर में जा घुसी। हादसे में कार सवार आठ लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर घायलों को कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे की वजह 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार और कार चालक को झपकी आना बताया जा रहा है। ललितपुर के महरौनी थाने के खरवाचो का पुरा टीकमगढ़ रोड निवासी दस श्रद्धालु टवेरा कार से शनिवार की रात खंडित रामजानकी की प्रतिमा विसर्जित करने अयोध्या गए थे। प्रतिमा विसर्जित करने के बाद सोमवार की भोर सभी लोग कार से लौट रहे थे। सुबह करीब 5:45 बजे उनकी कार कालपी कोतवाली क्षेत्र के चौरासी गुंबद के पास पहुंची थी तभी चालक शशिकांत तिवारी को झपकी आ गई। तेज रफ्तार कार असंतुलित होकर आगे जा रहे डंपर में जा घुसी।

राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन से कार को सीधी करवाया और कटर से कार को काटकर हताहत लोगों को बाहर निकाला। हादसे में स्वामी प्रसाद तिवारी (68), शशिकांत तिवारी (49), कृष्णकांत नायक (40), कथा वाचक मनोज भोडले (39), देशराज नामदेव (38), उमेश तिवारी (24) की मौत हो गई। डीएम राजेश कुमार पांडेय व एसपी विनय कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद चार घायलों को कानपुर रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान दीपक तिवारी (26) व बृजभूषण तिवारी (47) की भी मौत हो गई। हरिहर मोहन तिवारी (53) व अंशुल तिवारी (22) का इलाज चल रहा है। डंपर चालक को पुलिस हिरासत में है।

मेहदी रस्म में वृद्ध को मारी, गोली हालत गंभीर

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के नाथूपुर गांव में सोमवार रात एक वैवाहिक कार्यक्रम के पूर्व होने वाले मेहदी रस्म के दौरान एक वृद्ध को गांव के ही एक ब्यक्ति ने गोली मार दिया।गोली जबड़े में लगी।जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।उसकी हालत नाजुक देख उसे जिला चिकित्सालय से वाराणसी बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है।उक्त गांव के बांकेलाल गुप्ता के यहां मंगलवार को बारात आनी थी। सोमवार को घर में मेहंदी की रस्म चल रही थी। परिवार के साथ रिश्तेदार खुशी के माहौल में शामिल थे। इसी दौरान गांव के अरविंद सिंह बाइक से वहां पहुंचा। पुरानी रंजिश को लेकर उसने प्रेम साव पुत्र सेचन साव पर फायर कर दिया।गोली प्रेम के जबड़े में लगी जो गर्दन में पीछे फंस गई, मौके पर अफरा-तफरी मच गई। खुशियों के बीच मातम पसर गया। महिलाओं व बच्चों की चीख-पुकार गूंज उठी। परिजनों ने आनन-फानन में घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया।

ब्लश से बढ़ जाएगी आपके गालों की लाली, इसे इस तरह करना चाहिए इस्तेमाल

ब्लश एक प्रसिद्ध मेकअप उत्पाद है, जो गालों को गुलाबी बनाने और चेहरे पर लाली लाने में मदद करता है। हालांकि, जिन्होंने नया-नया मेकअप करना शुरू किया हो, उनके लिए इसे सही तरीके से लगाना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ खास मेकअप टिप्स के बारे में बताएंगे, जिनकी मदद से हर बार आपका ब्लश अच्छे से लगेगा। इन टिप्स को अपनाकर आप अपने चेहरे पर लाली ला सकती हैं।

सही रंग का करें चयन

ब्लश खरीदते समय सबसे पहले सही रंग का चयन करना जरूरी है। अगर आपकी त्वचा गोरी है तो हल्के गुलाबी या पीच टोन वाले ब्लश चुनें। मध्यम त्वचा वाले लोग म्यूटेड पिंक या कोरल रंग चुन सकते हैं। गहरे रंग की त्वचा वाले लोगों को ब्रोंज या डार्क पिंक रंग पसंद आ सकते हैं। सही रंग चुनने से आपका चेहरा तरोताजा और प्राकृतिक लगेगा, जिससे आपका लुक और भी निखर उठेगा।

ब्रश के बजाय उंगलियों का करें इस्तेमाल

ब्लश लगाते समय ब्रश के बजाय उंगलियों

का इस्तेमाल करें। इससे ब्लश समान रूप से फैलता है और आपकी त्वचा में एक प्राकृतिक चमक आती है। बस अपनी उंगलियों पर थोड़ा-सा ब्लश लेकर गालों पर हल्के हाथों से थपथपाएं। यह तरीका न केवल आसान है, बल्कि इससे आपका मेकअप भी ज्यादा लंबे समय तक टिकता है। इसके अलावा यह तरीका आपके चेहरे को एक ताजगी भरा लुक भी देता है, जिससे आपका चेहरा और भी सुंदर लगता है।

हल्का प्राइमर लगाएं

अगर आप चाहती हैं कि आपका ब्लश पूरे दिन टिका रहे तो इसके नीचे एक हल्का प्राइमर लगाएं। प्राइमर आपकी त्वचा को चिकना बनाएगा और ब्लश को बेहतर तरीके से पकड़ने में मदद करेगा। इसके लिए एक हल्का-सा प्राइमर लें और उसे अच्छे से फैलाएं। इसके ऊपर ही बेस मेकअप करें और उसके ऊपर से ब्लश को फैला लें। इससे न केवल आपका मेकअप लंबे समय तक टिका रहेगा, बल्कि आपका चेहरा भी तरोताजा और चमकदार लगेगा।

मल्टीपर्पस ब्लश स्टिक का करें चयन

आजकल बाजार में ऐसे ब्लश स्टिक्स मिलते हैं, जिन्हें आप गालों, आंखों और होठों पर इस्तेमाल कर सकते हैं। ये बहुत ही सुविधाजनक होती हैं, क्योंकि इनसे कई उत्पादों का काम एक ही साथ हो जाता है और मेकअप जल्दी हो जाता है। इनका फॉर्मूला ऐसा होता है कि ये त्वचा में आसानी से समा जाता है। ऐसे ब्लश स्टिक का इस्तेमाल करने से आपका पूरा लुक और भी निखर आता है और आपको ताजगी भरा महसूस होता है।

सही मात्रा में लगाएं ब्लश

ब्लश लगाते समय सही मात्रा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। ज्यादा ब्लश लगाने से आपका चेहरा बनावटी दिख सकता है, इसलिए हमेशा थोड़ी मात्रा में ही ब्लश लगाएं। शुरुआत में थोड़ी-सी मात्रा लें और जरूरत पड़ने पर फिर से लगाएं, ताकि आपका चेहरा प्राकृतिक दिखे। इन आसान, लेकिन प्रभावी हैक्स की मदद से आप अपने मेकअप रूटीन को आसान और मजेदार बना सकती हैं। इनसे न केवल आपका मेकअप बेहतर होगा, बल्कि आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

ये 6 चीजें गलती से भी फ्रिज में न रखें, शेफ पंकज भदौरिया ने बताई वजह

गर्मियां आते ही हम खाने की बहुत सारी चीजों को फ्रिज में स्टोर करना शुरू कर देते हैं, लेकिन कुछ ऐसी चीजें हैं जो हमें रेफ्रिजरेटर में नहीं रखनी चाहिए। इससे इनका स्वाद और टेक्सचर खराब हो सकता है। तो चलिए जान लेते हैं कौन सी हैं ये चीजें।

आप भी गर्मियों में सब्जी से लेकर खाने की कई चीजों को फ्रेश बनाए रखने के लिए फ्रिज में डाल देते हैं तो इससे पहले आपको ये जानना जरूरी है कि कौन सी चीजें फ्रिज में स्टोर करने से बचना चाहिए। दरअसल हर एक चीज को आप बहुत ज्यादा ठंडी और मॉइस्चर वाली जगह पर स्टोर नहीं कर सकते हैं। इससे ये जल्दी खराब हो जाती हैं या फिर इनके स्वाद, न्यूट्रिएंट्स और टेक्चर में बदलाव आ जाता है। शेफ पंकज भदौरिया ने ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में बताया है जिसे फ्रिज में स्टोर नहीं करना चाहिए।

शेफ पंकज भदौरियां खाने की एक से बढ़कर एक रेसिपीज तो शेयर करती ही हैं। इसके अलावा वो कई किचन हैक्स भी बताती रहती हैं। उन्होंने 6 ऐसी चीजें बताई हैं जो हमें फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। इसी के साथ उन्होंने इसका कारण भी बताया है। तो चलिए जान लेते हैं कि कौन सी हैं वो चीजें।

फ्रिज में न रखें प्याज

शेफ पंकज भदौरिया कहती हैं कि फ्रिज में प्याज रखते हैं तो ये मॉइस्चर को तेजी से ऑब्जर्व करता है और अंदर से जल्दी खराब होने लगता है, इसलिए प्याज को सूखी जगह पर ही रखना चाहिए।

लहसुन हो जाता है स्प्राउटेड

प्याज की तरह ही लहसुन को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। जब आप इसे फ्रिज में रखते हैं तो ये जल्दी स्प्राउटेड हो सकता है। लहसुन को भी आप अपनी रसोई में वेजिटेबल बास्केट में ही स्टोर कर सकते हैं, इससे ये काफी लंबे समय तक चल जाता है।

केले के टेक्सचर स्वाद में फर्क

केला एक ऐसा फल है जो फाइबर से भरपूर है और काफी फायदेमंद है। हम सभी गर्मी में इसे फ्रिज में ही स्टोर करते हैं, लेकिन इससे केले का टेस्ट और टेक्चर खराब होता है। इसके साथ ही ये बाहर से जल्दी ब्लैक स्पॉट बनाने लगता है।

कॉफी हो जाती है खराब

फ्रिज के अंदर कॉफी भी नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि ये मॉइस्चर ऑब्जर्व कर लेती है। इसी के साथ इसमें बाकी चीजों को अरोमा को भी सोखने की क्षमता होती है और इसी वजह से कॉफी फ्रिज में न रखें, नहीं तो ये बिल्कुल कार्डबोर्ड जैसा टेस्ट देती है।

फ्रिज में तो नहीं रखते ऑलिव ऑयल

ऑलिव ऑयल का यूज स्किन, हेयर या फिर खाने के लिए करते हैं तो इसे गलती से भी फ्रिज में न रखें। इससे ये क्रिस्टलाइज हो जाता है और ये सॉलिडीफायर हो जाता है। तो आप भी अगर इन सारी चीजों क अब तक रेफ्रिजरेटर में रखते आए हैं तो आगे से ऐसा करने से बचें।

गर्मियों के दौरान पेट की समस्याएं क्यों बढ़ जाती हैं?

गर्मियों में पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिसके कारण पेट की समस्याएं बढ़ जाती हैं। इस मौसम में लू और पानी की कमी के कारण भी पेट की समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा, गर्मियों में कई लोग तले हुए और अधिक तेल वाले खाद्य पदार्थ खाना पसंद करते हैं, जो पाचन के लिए ठीक नहीं होते। आइए जाने कि गर्मियों में पेट की समस्याएं क्यों बढ़ जाती हैं।

खान-पान में लापरवाही

गर्मियों में खाने-पीने का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि इस मौसम में सही तरीके और सही समय पर खाना बेहद जरूरी है। दरअसल, गर्मियों में लोग अपनी भूख को नजरअंदाज कर देते हैं और जब भूख लगती है तो कुछ भी खा लेते हैं, जो पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा, लोग तले हुए और तेल वाले खाद्य पदार्थ खाना भी पसंद करते हैं, जो पेट के लिए ठीक नहीं होते।

पानी की कमी

गर्मियों में शरीर में पानी की कमी और लू जैसी समस्याएं पेट की समस्याओं का कारण बन सकती हैं। इनसे बचने के लिए दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी जरूर पिएं। इसके अलावा शरीर में पानी की कमी को पूरा करने के लिए नारियल पानी, नींबू पानी और ताजे फलों का रस भी पी सकते हैं। इसके साथ ही तरबूज, खरबूज और खीरे जैसी पानी से भरपूर सब्जियां और फलों का सेवन करें।

खाने के तुरंत बाद पानी पीना

खाने के तुरंत बाद पानी पीने की आदत भी पेट की समस्याओं का कारण बन सकती है। अगर आप खाने के तुरंत बाद पानी पीते हैं, तो इस आदत को सुधार लें। खाने के एक घंटे बाद ही पानी पिएं। खाने के दौरान पानी पीने से पाचन पर बुरा असर पड़ता है और इससे गैस बनने की संभावना बढ़ जाती है। इससे कब्ज और अपच जैसी पेट की समस्याओं का भी खतरा बढ़ जाता है।

बाहर का खाना

गर्मियों में बाहर का खाना खाने से बचें क्योंकि इस मौसम में बाहर का खाना जल्दी खराब हो जाता है और इससे खाने की खराबी होने की संभावना बढ़ जाती है। खाने की खराबी के कारण उल्टी, दस्त, पेट दर्द और मतली जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप बाहर के खाने की बजाय घर का बना भोजन खाएं और घर का बना भोजन भी ताजा खाएं।

ताजे फलों का सेवन

गर्मियों में तरबूज, खरबूज और खीरे जैसे ताजे फल मिल जाते हैं। ये फल स्वादिष्ट होने के साथ ही पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। तरबूज में विटामिन-सी, विटामिन-ए और पोटेशियम की अधिक मात्रा होती है। खरबूज में विटामिन-सी, विटामिन-ए और फोलेट पाया जाता है। खीरे में भी विटामिन-सी और पोटेशियम की अधिक मात्रा होती है। इन फलों का सेवन करने से शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद मिल सकती है।

अब ट्रेन में भी मिलेगा हवाई जहाज का मजा, सुविधाएं देख हो जाएंगे हैरान

भारतीय रेलवे में ट्रेन को लेकर एक नया सिस्टम सामने आया है, जिसमें यात्रियों को प्लाइट जैसी सुविधा मिलने की उम्मीद है। आइए इसके बारे में डिटेल से समझते हैं।

भारतीय रेलवे में सफर करने का अनुभव आने वाले समय में पूरी तरह बदल सकता है. अब यात्रियों को ट्रेनों में भी फ्लाइट जैसी बिजनेस क्लास सुविधा मिलने की तैयारी है. अहमदाबाद के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (NID) के छात्रों ने एक खास प्रीमियम एग्जीक्यूटिव पॉड कॉन्सेप्ट तैयार किया है, जिसमें प्राइवेसी, आराम और आधुनिक टेक्नोलॉजी का खास ध्यान रखा गया है. यह पहल रेलवे यात्रा को अधिक लग्जरी और सुविधाजनक बनाने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है.

यह कॉन्सेप्ट खासतौर पर हाई-स्पीड ट्रेनों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है. इसमें यात्रियों को एक तरह का निजी केबिन (प्राइवेट पॉड) मिलेगा, जहां वे आराम से बैठने के साथ-साथ लेट भी सकेंगे. सीटें एर्गोनॉमिक डिजाइन पर आधारित होंगी, जिससे लंबी यात्रा के दौरान भी थकान कम महसूस होगी.

इस प्रीमियम पॉड में व्यक्तिगत लाइटिंग, पर्याप्त स्टोरेज और छोटा वर्कस्पेस जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं. इसके अलावा, यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी और स्मार्ट टेक्नोलॉजी से लैस इंटीरियर का अनुभव मिलेगा, जो इसे मौजूदा ट्रेन कोच से काफी अलग बनाता है. यह परियोजना Indian Railways और NID के सहयोग से स्थापित रेलवे डिजाइन सेंटर (RDC) के तहत विकसित की गई है. इसका उद्देश्य यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाना और भविष्य की जरूरतों के अनुसार ट्रेन डिजाइन तैयार करना है.

कब होगा लागू?

हालांकि, अभी यह केवल एक कॉन्सेप्ट डिजाइन है और इसे लागू करने को लेकर कोई आधिकारिक फैसला नहीं लिया गया है. रेलवे अधिकारी फिलहाल इस मॉडल का अध्ययन कर रहे हैं और इसकी व्यवहारिकता पर विचार किया जा रहा है. अगर यह योजना लागू होती है, तो भारतीय रेलवे में प्रीमियम ट्रैवल सेगमेंट को नई दिशा मिल सकती है. खासकर बिजनेस ट्रैवलर्स और हाई-एंड यात्रियों के लिए यह एक आकर्षक विकल्प बन सकता है, जिससे ट्रेन यात्रा का अनुभव पूरी तरह बदल सकता है.

एक दिन में लगभग 47 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए : केंद्र

शनिवार को देशभर में लगभग 47 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए, जिससे यह संकेत मिलता है कि पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष और उसके बाद होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी के बावजूद गैस आपूर्ति में कोई कमी या व्यवधान नहीं है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, शनिवार को उद्योग के आधार पर ऑनलाइन एलपीजी सिलेंडर बुकिंग में 99 प्रतिशत की वृद्धि हुई और लगभग 47.4 लाख एलपीजी सिलेंडरों की बुकिंग के मुकाबले लगभग 47 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए।

मंत्रालय ने यह भी कहा कि एलपीजी वितरकों में किसी भी प्रकार की कमी की सूचना नहीं मिली है। सरकार ने यह भी आश्वासन दिया है कि पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के बीच ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री संचालन और भारतीय नागरिकों को सहायता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास और उपाय किए जा रहे हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सूचित किया कि एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए देशभर में प्रवर्तन कार्रवाई जारी है।

सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया कि कल तक देशभर में 1,900 से अधिक छापे मारे गए।

इसमें यह भी बताया गया है कि इस वर्ष मार्च से अब तक लगभग 6.04 लाख पीएनजी कनेक्शनों को गैसीफाइड किया जा चुका है और अतिरिक्त 2.68 लाख कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है, जिससे कुल कनेक्शनों की संख्या 8.72 लाख हो गई है।

मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि 3 अप्रैल से, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने 10,100 से अधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए हैं, जिनमें लगभग 1.75 लाख 5 किलोग्राम एफटीएल सिलेंडर बेचे गए हैं। कल तक, 130 से अधिक शिविरों के माध्यम से 3,700 से अधिक 5 किलोग्राम एफटीएल सिलेंडर बेचे जा चुके हैं।

एक दिन में लगभग 47 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए : केंद्र

शनिवार को देशभर में लगभग 47 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए, जिससे यह संकेत मिलता है कि पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष और उसके बाद होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी के बावजूद गैस आपूर्ति में कोई कमी या व्यवधान नहीं है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, शनिवार को उद्योग के आधार पर ऑनलाइन एलपीजी सिलेंडर बुकिंग में 99 प्रतिशत की वृद्धि हुई और लगभग 47.4 लाख एलपीजी सिलेंडरों की बुकिंग के मुकाबले लगभग 47 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए।

मंत्रालय ने यह भी कहा कि एलपीजी वितरकों में किसी भी प्रकार की कमी की सूचना नहीं मिली है।

सरकार ने यह भी आश्वासन दिया है कि पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के बीच ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री संचालन और भारतीय नागरिकों को सहायता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास और उपाय किए जा रहे हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सूचित किया कि एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए देशभर में प्रवर्तन कार्रवाई जारी है। सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया कि कल तक देशभर में 1,900 से अधिक छापे मारे गए।

इसमें यह भी बताया गया है कि इस वर्ष मार्च से अब तक लगभग 6.04 लाख पीएनजी कनेक्शनों को गैसीफाइड किया जा चुका है और अतिरिक्त 2.68 लाख कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है, जिससे कुल कनेक्शनों की संख्या 8.72 लाख हो गई है।

मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि 3 अप्रैल से, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने 10,100 से अधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए हैं, जिनमें लगभग 1.75 लाख 5 किलोग्राम एफटीएल सिलेंडर बेचे गए हैं। कल तक, 130 से अधिक शिविरों के माध्यम से 3,700 से अधिक 5 किलोग्राम एफटीएल सिलेंडर बेचे जा चुके हैं।

'कमजोर हो रहा ईरानी नेतृत्व': ईरान पर कार्रवाई को लेकर ट्रंप बोले- हमारा मिनी वॉर सफल, परमाणु पर भी कही ये बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे भारी तनाव के बीच एक बहुत बड़ी खबर सामने आई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ चल रही सैन्य कार्रवाई को लेकर एक बहुत बड़ा बयान दिया है। उनका साफ कहना है कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सेना का 'मिनी वॉर' यानी छोटा युद्ध बहुत ही शानदार तरीके से चल रहा है और सेना अपने सभी बड़े लक्ष्य हासिल कर रही है। अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देगा और उसके मंसूबों को कुचल देगा।

व्हाइट हाउस में 'नेशनल स्मॉल बिजनेस वीक' के एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ने इस पूरे सैन्य अभियान को बहुत जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया को एक बहुत बड़े खतरे से बचाने के लिए यह सख्त कार्रवाई करनी ही पड़ी। उनके अनुसार, इस छोटे से युद्ध ने ईरान की कमर तोड़ कर रख दी है और उसकी ताकत अब काफी हद तक खत्म हो चुकी है। ट्रंप ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अमेरिका पूरी तरह से सतर्क है और ईरान के परमाणु हथियार हासिल करने के सपने को कभी पूरा नहीं होने दिया जाएगा।

तबाह हो चुकी है ईरान की सैन्य ताकत?

इस सैन्य अभियान की कामयाबी का जिक्र करते हुए ट्रंप ने बताया कि ईरान की रक्षा और सैन्य व्यवस्था अब पूरी तरह से बेबस हो चुकी है। उन्होंने जानकारी दी कि ईरान के पास अब न तो कोई नौसेना बची है और न ही उसकी वायुसेना में कोई दम रह गया है। यहां तक कि ईरान के रडार और हवाई हमलों से बचने वाले सुरक्षा साधन भी तबाह हो चुके हैं। ट्रंप का दावा है कि इस तबाही के बाद ईरान के शीर्ष नेता भी अब किसी प्रभावी स्थिति में नहीं बचे हैं और उनका पूरा नेतृत्व अब बेहद कमजोर पड़ गया है।

अमेरिकी जनता इस 'मिनी वॉर' के समर्थन में?

इस सैन्य अभियान को एक 'मिनी वॉर' करार देते हुए मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ने इस कार्रवाई का विरोध करने वालों और कम जनसमर्थन के दावों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग दावा कर रहे हैं कि इस युद्ध को सिर्फ 32 प्रतिशत अमेरिकी ही पसंद कर रहे हैं। लेकिन ट्रंप ने जोर देकर कहा कि अगर आम लोगों को इस युद्ध की सच्चाई और जरूरत ठीक से समझाई जाए, तो यह समर्थन का आंकड़ा बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा। साथ ही उन्होंने दुनिया की सबसे मजबूत अमेरिकी सेना की भी जमकर तारीफ की।

तेल बाजार और शेयर बाजार का क्या हाल?

युद्ध के कारण तेल की कीमतों में उछाल की भारी आशंकाओं पर भी ट्रंप ने स्थिति बिल्कुल साफ कर दी। उन्होंने बताया कि लोगों को डर था कि ऊर्जा और तेल की कीमतें 300 डॉलर तक पहुंच जाएंगी, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ। फिलहाल तेल की कीमत 100 डॉलर के आस-पास ही है और आगे यह और भी नीचे जा सकती है। सप्लाई की दिक्कतें खत्म हो रही हैं और हालात तेजी से सामान्य हो रहे हैं। इसके अलावा, ट्रंप ने इस बात पर भी खुशी जताई कि इस सैन्य कार्रवाई के बावजूद अमेरिका का शेयर बाजार बहुत मजबूत है और इस दौरान भी नए उच्च स्तर को छू रहा है।

'टैरिफ अमेरिकी व्यापार नीति का अहम हिस्सा, बीजिंग पर दबाव बढ़ाएंगे', चीन दौरे से पहले ट्रंप का बड़ा बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि आयात शुल्क (टैरिफ) अब भी अमेरिकी व्यापार नीति का एक मुख्य साधन (टूल) रहेगा। उन्होंने संकेत दिया कि इन कदमों का उद्देश्य चीन और अन्य देशों पर दबाव बनाना है, जिन्होंने अमेरिकी कारोबार को नुकसान पहुंचाया।

व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि सस्ते आयात से घरेलू कंपनियों को नुकसान हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति इस महीने के आखिर में चीन के दौरे पर जाएंगे, जहां वह राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। चीन की यात्रा से पहले उन्होंने कहा, चीन और दूसरे देशों के ऐसे उत्पाद बनाने से आपको नुकसान हो रहा है जो उतने अच्छे नहीं हैं, लेकिन उनमें कम पैसे लगते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि टैरिफ इस प्रवृत्ति को बदलने और राजस्व बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, टैरिफ के इस्तेमाल की वजह से हमारे पास यह सारा पैसा है। राष्ट्रपति ने यह भी संकेत दिया कि मौजूदा टैरिफ दरें पर्याप्त नहीं हैं, खासकर उन क्षेत्रों में जहां विदेशी प्रतिस्पर्धा का दबाव लगातार बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि अगर कंपनियां उत्पादन अमेरिका में करेंगी तो उन्हें टैरिफ नहीं देना पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि इससे कई उद्योग फिर से देश में लौट रहे हैं, खासकर ऑटोमोबाइल क्षेत्र। उन्होंने टैरिफ को अमेरिकी विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) में बड़े स्तर पर सुधार से जोड़ा और कहा, हमने अपने जिस कार उद्योग को खो दिया था, वो सब वापस आ रहा है। ट्रंप ने अमेरिका-चीन संबंधों को प्रतिस्पर्धी लेकिन मित्रतापूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में अमेरिका चीन से आगे है। हमारे बीच मित्रतापूर्ण प्रतिस्पर्धा है।

जमैका दौरे पर जयशंकर का बड़ा कूटनीतिक दांव, आर्थिक रिश्तों को नई रफ्तार देने पर जोर

किंग्स्टन (जमैका), एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने नौ दिवसीय कैरेबियाई दौरे के पहले चरण में जमैका की राजधानी किंग्स्टन में उच्चस्तरीय बैठकों का सिलसिला जारी रखते हुए द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देने पर जोर दिया। इस दौरे में जमैका के अलावा सूरीनाम और त्रिनिदाद व टोबैगो भी शामिल हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने जमैका की विदेश मंत्री कामिना जॉनसन स्मिथ और कैबिनेट के वरिष्ठ मंत्रियों के साथ व्यापक वार्ता की। इस दौरान दोनों देशों के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, डिजिटल सहयोग, पर्यटन, खेल, मनोरंजन, बुनियादी ढांचा और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में साझेदारी की समीक्षा की गई। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर बताया कि यह इन-डेप्थ रिव्यू भारत-जमैका संबंधों को और मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम है।

बाद में उन्होंने जमैका के उद्योग और व्यापार जगत के नेताओं से मुलाकात की और वैश्विक स्तर पर बदलते आर्थिक परिदृश्य के बीच भारत-जमैका व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विश्व में विश्वसनीय साझेदारों की तलाश के इस दौर में दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग की संभावनाओं को और अधिक सक्रियता से तलाशना जरूरी है।

प्रधानमंत्री से मुलाकात, संबंधों को नई गति

जयशंकर ने जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस से भी मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। इस दौरान दोनों नेताओं ने राजनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच आपसी संबंध को और मजबूत करने पर चर्चा की।

भारत का मानवीय सहयोग: BHISHM क्यूब्स भेंट

भारत ने इस अवसर पर जमैका को 10 'भीष्म क्यूब' (BHISHM Cubes) भी भेंट किए। यह मोबाइल अस्पताल प्रणाली आपात स्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान तेजी से तैनात की जा सकती है। जयशंकर ने इसे भारत-जमैका मित्रता, आपदा तैयारी और तकनीकी नवाचार का प्रतीक बताया।

क्रिकेट से जुड़ा सांस्कृतिक रिश्ता

इस यात्रा के दौरान भारत और जमैका के बीच खेल, खासकर क्रिकेट, के साझा संबंधों को भी रेखांकित किया गया। भारत ने किंग्स्टन के ऐतिहासिक सबिना पार्क स्टेडियम को नया स्कोरबोर्ड भेंट किया। जयशंकर ने कहा कि क्रिकेट दोनों देशों को जोड़ने वाला एक मजबूत सांस्कृतिक सेतु है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह स्कोरबोर्ड भविष्य में 'यादगार पारियों' का गवाह बनेगा। जमैका के दिग्गज क्रिकेटर क्रिस गेल, कोर्टनी वॉल्श और माइकल होल्डिंग का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों ने भारत और कैरेबियाई देशों के बीच खेल संबंधों को और मजबूत किया है। अपने दौरे के दौरान जयशंकर ने जमैका में भारतीय समुदाय से भी मुलाकात की और भारत में हो रहे बुनियादी ढांचे, मानव विकास और तकनीकी प्रगति के बारे में जानकारी साझा की।

अगले संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के लिए महिला उम्मीदवार का चीन ने किया समर्थन, चयन प्रक्रिया शुरू

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। चीन ने संयुक्त राष्ट्र के अगले महासचिव के रूप में एक महिला के चुनाव का समर्थन किया है। इसके साथ कहा कि वैश्विक संस्था के नेतृत्व में एक महिला नेता को देखकर बहुत खुशी होगी। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्षों के इतिहास में कभी भी किसी महिला नेता ने नेतृत्व नहीं किया है। संयुक्त राष्ट्र में अगले प्रमुख के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैचलेट और संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की महासचिव रेबेका ग्रिनस्पैन सहित दो महिलाएं विश्व के शीर्ष राजनयिक के पद के लिए दौड़ में शामिल चार उम्मीदवारों में से हैं।

80 साल में एक भी महिला महासचिव नहीं

संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत फू कोंग ने सोमवार को यहां कहा, 'हमें एक महिला महासचिव को देखकर खुशी होगी। 80 साल हो गए हैं, इसलिए अगर हमें एक महिला महासचिव मिल जाए तो चीन को बहुत खुशी होगी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएई) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी और सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल भी संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के पद के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं। पिछले महीने चारों उम्मीदवारों को संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों और नागरिक समाज के व्यापक संवादात्मक संवादों के दौरान अगले महासचिव के पद के लिए उनके दृष्टिकोण और संयुक्त राष्ट्र में शीर्ष पद के लिए वे सबसे अच्छे विकल्प क्यों हैं? इस बारे में सवालों का सामना करना पड़ा।

मजबूत महासचिव की जरूरत- चीन

जब उनसे पूछा गया कि क्या संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के पद के लिए चार नामांकित व्यक्तियों में से चीन का कोई पसंदीदा उम्मीदवार है, तो मई महीने के लिए सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष भी रहे फू ने पिछले सप्ताह कहा, 'अगर होता, तो मैं आपको नहीं बताता।' उन्होंने कहा कि बीजिंग के पास अगले महासचिव के लिए कुछ मानदंड हैं। यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र एक बहुत ही नाजुक मोड़ पर है और एक मजबूत महासचिव की आवश्यकता है , जो वास्तव में बहुपक्षवाद के लिए प्रतिबद्ध हो, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हो और किसी एक महाशक्ति की नीतियों के साथ बहुत अधिक जुड़ा हुआ न हो।

पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा : टीएमसी के कई कार्यालयों में तोड़फोड़-आगजनी, भाजपा ने आरोपों को नकारा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के कार्यालयों में आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आईं। वहीं, भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य में अपनी शानदार जीत का जश्न मनाया। पुलिस ने बताया कि सोमवार दोपहर से कोलकाता के टॉलीगंज और कस्बा, उपनगरों में बारुईपुर, कमरहटी, बारानगर और जिलों में हावड़ा और बहरामपुर में टीएमसी कार्यालयों में भीड़ ने तोड़फोड़ की।

टॉलीगंज के बिजयगढ़-नेताज नगर इलाके में टीएमसी उम्मीदवार और पूर्व मंत्री अरूप बिस्वास के चुनाव कार्यालय में भीड़ ने तोड़फोड़ की। भीड़ में से कुछ लोग टूटे हुए होर्डिंग को लात मारते हुए और फिर वहां से चले गए। रूबी क्रॉसिंग पर टीएमसी पार्षद सुशांत घोष के कार्यालय में भाजपा के झंडे लिए भीड़ ने तोड़फोड़ की। इन घटनाओं की निंदा करते हुए टीएमसी ने एक्स पर कहा, 'भाजपा ने सत्ता में आने के तुरंत बाद अपना असली रंग दिखा दिया है।'

चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि उपद्रव और हमले में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही आगे की कार्रवाई शुरू करने के लिए स्थानीय पुलिस से रिपोर्ट मांगी गई है। हालांकि, भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने इस आरोप को खारिज कर दिया कि उनकी पार्टी का कोई कार्यकर्ता तोड़फोड़ में शामिल था, उन्होंने कहा कि यह टीएमसी के भीतर प्रतिद्वंद्वी गुटों का काम हो सकता है, जो चुनाव परिणामों के बाद पार्टी नेताओं के प्रति अपनी निराशा व्यक्त कर रहे थे।

टीएमसी ने कहा गया 'उनके गुंडों ने मुर्शिदाबाद में हमारे पार्टी कार्यालय पर हिंसक हमला किया। तोड़फोड़ और अराजकता यही भाजपा का असली चेहरा है। यह भाजपा के गटर की राजनीति में उतरने का संकेत है। हावड़ा के उदयनारायणपुर में अपने उम्मीदवार पर हुए हमले का आरोप लगाते हुए पार्टी ने कहा, 'हमारे उम्मीदवार समीर पांजा पर हुआ क्रूर हमला उनकी हिंसक मानसिकता का प्रमाण है। यह लोकतंत्र नहीं है; यह सरासर गुंडागर्दी है।' उत्तर कोलकाता के मानिकतला से टीएमसी उम्मीदवार श्रेया पांडे ने सोशल मीडिया पर एक अधेड़ उम्र के पार्टी नेता का वीडियो साझा किया, जिसकी कमीज खून से लथपथ थी। इसके साथ ही आरोप लगाया कि वह व्यक्ति उनका चुनाव प्रतिनिधि था, जिसे मतगणना के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीटा था। वह भाजपा के तापस रॉय से 15,644 वोटों के अंतर से हार गईं।

भाजपा ने हिंसा की निंदा की

भाजपा के राहुल सिन्हा ने हिंसा की निंदा की, लेकिन कहा कि इसकी तुलना 2021 की उस स्थिति से नहीं की जा सकती जब मतगणना के तुरंत बाद टीएमसी ने हमारे पदाधिकारियों पर हमला किया था और पार्टी के कई कार्यालयों में आग लगा दी थी, जबकि राज्य पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। उन्होंने कहा, 'हालांकि, इस बार पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बल त्वरित कार्रवाई कर रहे थे।'

यूएई के तेल औद्योगिक क्षेत्र पर ईरान का हमला, तीन भारतीय घायल, पीएम मोदी और विदेश मंत्रालय ने की कड़ी निंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान की ओर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैराह तेल औद्योगिक क्षेत्र पर हमले तीन भारतीय नागरिक घायल हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इन हमलों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इन हमलों को अस्वीकार्य बताया। यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव पहले से ही बढ़ा हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हम संयुक्त अरब अमीरात पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हैं, जिनमें तीन भारतीय नागरिक घायल हुए हैं। नागरिकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना अस्वीकार्य है। भारत संयुक्त अरब अमीरात के साथ पूरी तरह एकजुट है और संवाद एवं कूटनीति के माध्यम से सभी मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अपना समर्थन दोहराता है। प्रधानमंत्री ने कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

विदेश मंत्रालय ने क्या कहा?

वहीं, विदेश मंत्रालय ने भी कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस तरह के हमले और नागरिकों को नुकसान पहुंचाना अस्वीकार्य है और इन्हें तुरंत रोका जाना चाहिए। भारत पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता चाहता है और इसके लिए बातचीत और कूटनीति का समर्थन करता है। भारत ने यह भी अपील की है कि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार होर्मुज जलडमरूमध्य से बिना रुकावट व्यापार और आवाजाही जारी रहनी चाहिए। भारत ने सभी पक्षों से शांति बनाए रखने और समाधान के लिए प्रयास करने की बात कही है।

यूएई के रक्षा मंत्रालय ने क्या कहा?

यूएई के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने कई मिसाइलों और ड्रोन को रोका। लेकिन फुजैराह में एक ड्रोन हमले से तेल सुविधा में आग लग गई। इसमें वहां काम कर रहे तीन भारतीय घायल हो गए। इस बीच, ब्रिटिश सेना ने भी समुद्र में दो जहाजों में आग लगने की जानकारी दी है।

ईरान ने नहीं ली हमले की जिम्मेदारी

ईरान ने इस हमले की जिम्मेदारी सीधे नहीं ली। लेकिन उसके विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका और यूएई को स्थिति बिगाड़ने से बचना चाहिए। ईरान के एक सैन्य अधिकारी ने भी कहा कि उनका यूएई या किसी तेल ठिकाने पर हमला करने का कोई प्लान नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब अमेरिका की सैन्य नीतियों की वजह से तनाव बढ़ रहा है।

'पति पत्नी और वो दो' का नया गाना 'दिल वाले चोर' रिलीज, रोमांस और मस्ती का शानदार मेल

अभिनेता आयुष्मान खुराना कॉमेडी ड्रामा फिल्म पति पत्नी और वो दो के जरिए दर्शकों को अपने चुलबुले अंदाज से गुदगुदाने के लिए तैयार हैं। शनिवार को मेकर्स ने फिल्म का नया गाना दिलवाले चोर रिलीज कर दिया। टी-सीरीज ने गाने का क्लिप को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, इश्क दी डोरी और दिल दी चोरी दोनों एक साथ। गाना दिलवाले चोर रिलीज कर दिया गया है।

यह एक ऐसा गाना है, जो दिल को बहुत सुकून देता है। इस संगीत की लाइनें काफी कैची हैं, जो दर्शकों को दीवाना बना रही है। गाने का संगीत आधुनिक और क्लासिक मेलोडी का एक बेहतरीन मिश्रण है। गाने को आदित्य रिखारी और श्रेया घोषाल ने मिलकर गाया है, जबकि इसके लिरिक्स कुमार ने लिखे हैं और रोचक कोहली ने इसका संगीत तैयार किया है।

वहीं, गाने में आयुष्मान और सारा अली खान की केमिस्ट्री सभी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। गाने में दोनों इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं। गाने के बोल आधुनिक रोमांस को बखूबी दर्शाते हैं, जिसमें प्यार की शरारत और दिल को छू लेने वाली भावनाएं घुली हुई हैं। पीयूष-साजिया ने इस गाने को कोरियोग्राफ किया है। यह मेलोडी न केवल प्यार और चाहत की कहानी बुनती है, बल्कि इसमें एक चंचल चार्म भी है जो दर्शकों को खुद से जोड़े रखता है।

इससे पहले फिल्म का गाना रूप दी रानी रिलीज किया गया था। इस गाने को भी फैंस ने काफी पसंद किया था। फिल्म पति पत्नी और वो दो में सारा अली खान और आयुष्मान खुराना के अलावा, रकुल और वामिका गब्बी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म प्रयागराज की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो गलतफहमियों और हास्य के साथ रोमांस पेश करती है।

मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित फिल्म पति पत्नि और वो दो का निर्माण भूषण कुमार, रेणु रवि चोपड़ा ने किया है। यह 2019 की हिट फिल्म 'पति पत्नी और वोÓ फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म है। इस फिल्म में जहां कानपुर के इंजीनियर चिंटू त्यागी के विवाहेतर संबंध को मजेदार अंदाज में पर्दे पर दिखाया गया था। फिल्म पति पत्नि और वो दो 15 मई को पूरे देश में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जान्हवी कपूर ने सुनाया किस्सा, बताया बुरी आदत से कैसे छुड़ाया पीछा?

जान्हवी कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'पेद्दी' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी जिंदगी के एक मुश्किल दौर के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने अक्सर अपनी निजी जिंदगी को प्राइवेट रखा है। हालांकि उन्होंने मुश्किल दौर में एक गलत आदत को अपनाने के बारे में खुलकर बात की है।

क्या शराब पीने लगी थीं जान्हवी?

राज शमानी के साथ बातचीत में जान्हवी कपूर ने माना कि जब वह मुश्किल दौर में थीं तो वह शराब पीने लगी थीं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इसकी लत नहीं लगी थी।

जान्हवी ने कहा 'मैं यह नहीं कहूंगी कि मुझे लत लग गई थी, मगर मैं अक्सर शराब पी रही थी। यह मेरी जिंदगी के एक बहुत ही दुखद अनुभव के बाद हुआ था। मुझे लगा कि मुझे बस नशे में डूब जाना है।'

जान्हवी को अच्छा नहीं लगा एहसास

शराब के नुकसान को लेकर उन्होंने कहा 'शराब पीकर मेरे शरीर के साथ जो हो रहा था वह मुझे पसंद नहीं आया। मुझे यह भी पसंद नहीं आया कि जब मैं सुबह उठती थी तो अजीब महसूस होता था। हैंगओवर का वह एहसास, मुझे उससे बहुत नफरत होती थी। यह बहुत अजीब था। मुझे अपने आप से एक ऐसी बदबू आती थी, जो नशे की लत वाले इंसान की बदबू से बहुत मिलती-जुलती थी।'

बदबू ने सोचने पर मजबूर किया

जान्हवी कपूर ने माना कि शराब पीने के बाद उनके बदन से जो बदबू आ रही थी, उसने उन्हें सोचने पर मजबूर किया। उन्होंने सोचा कि एक नाजुक दौर में वह अपनी जिंदगी में किन चीजों को आने दे रही थीं। इसके बाद उन्होंने शराब छोड़ दी।

जान्हवी कपूर का वर्कफ्रंट

काम की बात करें तो, जान्हवी कपूर आखिरी बार फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आईं थीं। अगली बार वह राम चरण के साथ फिल्म 'पेद्दी' में नजर आएंगी। यह फिल्म 6 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

दृश्यम 3 का धांसू टीजर जारी, जॉर्जकुट्टी को सता रहा अतीत का डर, क्या सच में रखी जा रही उन पर चोरी-छुपे नजर?

दृश्यम 3 का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है। मेकर्स ने मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल की दृश्यम फ्रैंचाइजी के तीसरे भाग का टीजर जारी किया है, जो काफी दमदार है। आइए एक नजर डालते हैं टीजर पर..

बुधवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर मलयाली फिल्म दृश्यम 3 का टीजर नए पोस्टर के साथ सोशल मीडिया पर अपलोड किया और कैप्शन में लिखा, दृश्यम 3 ऑफिशियल टीजर जारी। दुनिया भर में रिलीज, 21 मई 2026।

1 मिनट 50 सेकंड का यह टीजर मोहनलाल की आवाज के साथ शुरू होता है, जिसमें वह अपने परिवार के साथ एक सादा जीवन बिताने के बारे में बात करते हैं; तभी एक बिन बुलाया मेहमान परिवार में घुस आता है, जिसके पास उन्हें तबाह करने की ताकत है। जैसे-जैसे टीजर आगे बढ़ता है, जॉर्जकुट्टी अपनी जिंदगी की मुश्किलों के बारे में सोचता है और अपने परिवार को बचाने के लिए किए गए अपने कामों को मान लेता है।

जब हम उसका चेहरा देखते हैं, तो यह साफ जाहिर होता है कि वह डरे और चिंतित हैं। वह अपना गुनाह कबूल करते है, और अपने मन पर छाए अपराध-बोध के भारी बोझ को जाहिर करते हुए कहते है, जिस दिन मेरा जन्म हुआ, उसी दिन से मैं लड़ाइयां लड़ता आ रहा हूं। मेरे पास ऐसा कोई नहीं था जिसे मैं अपना कह सकूं। सालों की कड़ी मेहनत और संघर्ष के बाद, मैंने अपने लिए एक परिवार बनाया। जब एक ऐसा पल आया जो इस परिवार को तोड़ सकता था, तो मैंने बिना एक पल भी सोचे-समझे कदम उठा लिया।

किसी के द्वारा देखे जाने के अंदरूनी डर के साथ, टीजर एक बड़े प्लान के सामने आने का इशारा करता है। इसमें जॉर्जकुट्टी के परिवार वालों की झलक भी दिखाई देती है, जिसमें उसकी पत्नी और बेटियां भी शामिल हैं।

इस फिल्म में मोहनलाल के अलावा मीना, अंसीबा हसन, एस्थर अनिल, आशा शरथ, सिद्दीकी, मुरली गोपी, साईकुमार और के।बी। गणेश कुमार शामिल हैं। ये सभी पिछली फिल्मों से अपनी-अपनी भूमिकाएं दोहराते दिखेंगे। दृश्यम 3 21 मई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जो मोहनलाल के 66वें जन्मदिन के दिन ही है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti।com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail।com